राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment

Test Date : 24 Feb 2023	Test Slot : Slot 2
Subject : 3-Philosophy	

Paper I : 201-General Paper

Sl. No.1
QBID:16201001

The following table shows the percentage (%) distribution of wheat production in seven different countries, namely, India, China, Japan, Srilanka, Indonesia, Pakistan and Bangladesh by deploying Scientific Method and Conventional Method. Total production of wheat in these countries is 50 lakh tonnes. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Country-wise Distribution of Wheat Production

Country	Distribution (%) of Wheat Production (out of 50 lakh tonnes)	Distribution (%) of Wheat Production	
		Scientific Method	Conventional Method
India	18%	32%	68%
China	22%	70%	30%
Japan	20%	78%	22%
Srilanka	13%	60%	40%
Indonesia	10%	73%	27%
Pakistan	9%	66%	34%
Bangladesh	8%	20%	80%

निम्नलिखित तालिका वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति प्रयुक्त करने वाले विभिन्न सात देशों - भारत, चीन जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में गेहूं उत्पादन के प्रतिशत (%) वितरण को दर्शाती है। इन देशों का कुल गेहूं उत्पादन 50 लाख टन है। इस तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेहूं उत्पादन का देशवार वितरण

देश	गेहूं उत्पादन का वितरण (%) (50 लाख टन में से)	गेहूं उत्पादन का वितरण (%)	
		वैज्ञानिक पद्धति	पारम्परिक पद्धति
भारत	18%	32%	68%
चीन	22%	70%	30%
जापान	20%	78%	22%
श्रीलंका	13%	60%	40%
इंडोनेशिया	10%	73%	27%
पाकिस्तान	9%	66%	34%
बांग्लादेश	8%	20%	80%

The difference between the production of wheat by the Scientific Method and the Conventional Method in Indonesia is ______ lakh tonnes.

1. 2.3
2. 2.8
3. 2.5
4. 3.1

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

इंडोनेशिया में वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति द्वारा गेहूं उत्पादन के बीच अंतर _____ लाख टन है।

1. 2.3
2. 2.8
3. 2.5
4. 3.1

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26101] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q1**
2[Option ID=26102]
3[Option ID=26103]
4[Option ID=26104]

Sl. No.2
QBID:16201002

The following table shows the percentage (%) distribution of wheat production in seven different countries, namely, India, China, Japan, Srilanka, Indonesia, Pakistan and Bangladesh by deploying Scientific Method and Conventional Method. Total production of wheat in these countries is 50 lakh tonnes. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Country-wise Distribution of Wheat Production

Country	Distribution (%) of Wheat Production (out of 50 lakh tonnes)	Distribution (%) of Wheat Production	
		Scientific Method	Conventional Method
India	18%	32%	68%
China	22%	70%	30%
Japan	20%	78%	22%
Srilanka	13%	60%	40%
Indonesia	10%	73%	27%
Pakistan	9%	66%	34%
Bangladesh	8%	20%	80%

निम्नलिखित तालिका वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति प्रयुक्त करने वाले विभिन्न सात देशों - भारत, चीन जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में गेहूं उत्पादन के प्रतिशत (%) वितरण को दर्शाती है। इन देशों का कुल गेहूं उत्पादन 50 लाख टन है। इस तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेहूं उत्पादन का देशवार वितरण

देश	गेहूं उत्पादन का वितरण (%) (50 लाख टन में से)	गेहूं उत्पादन का वितरण (%)	
		वैज्ञानिक पद्धति	पारम्परिक पद्धति
भारत	18%	32%	68%
चीन	22%	70%	30%
जापान	20%	78%	22%
श्रीलंका	13%	60%	40%
इंडोनेशिया	10%	73%	27%
पाकिस्तान	9%	66%	34%
बांग्लादेश	8%	20%	80%

The approximate average production of wheat (in lakh tonnes) by the Scientific Method for all the seven countries is

1. 3.06
2. 3.16
3. 4.12
4. 4.24

(1) **1**

(2) **2**

(3) **3**

(4) **4**

सभी सात देशों का वैज्ञानिक पद्धति से गेहूं उत्पादन (लाख टन में) का लगभग औसत है :

1. 3.06
2. 3.16
3. 4.12
4. 4.24

(1) **1**

(2) **2**

(3) **3**

(4) **4**

1[Option ID=26105]
2[Option ID=26106]
3[Option ID=26107]
4[Option ID=26108]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q2

Sl. No.3
QBID:16201003

The following table shows the percentage (%) distribution of wheat production in seven different countries, namely, India, China, Japan, Srilanka, Indonesia, Pakistan and Bangladesh by deploying Scientific Method and Conventional Method. Total production of wheat in these countries is 50 lakh tonnes. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Country-wise Distribution of Wheat Production

Country	Distribution (%) of Wheat Production (out of 50 lakh tonnes)	Distribution (%) of Wheat Production	
		Scientific Method	Conventional Method
India	18%	32%	68%
China	22%	70%	30%
Japan	20%	78%	22%
Srilanka	13%	60%	40%
Indonesia	10%	73%	27%
Pakistan	9%	66%	34%
Bangladesh	8%	20%	80%

निम्नलिखित तालिका वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति प्रयुक्त करने वाले विभिन्न सात देशों - भारत, चीन जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में गेहूं उत्पादन के प्रतिशत (%) वितरण को दर्शाती है। इन देशों का कुल गेहूं उत्पादन 50 लाख टन है। इस तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेहूं उत्पादन का देशवार वितरण

देश	गेहूं उत्पादन का वितरण (%) (50 लाख टन में से)	गेहूं उत्पादन का वितरण (%)	
		वैज्ञानिक पद्धति	पारम्परिक पद्धति
भारत	18%	32%	68%
चीन	22%	70%	30%
जापान	20%	78%	22%
श्रीलंका	13%	60%	40%
इंडोनेशिया	10%	73%	27%
पाकिस्तान	9%	66%	34%
बांग्लादेश	8%	20%	80%

The ratio of production of wheat by Conventional Method in Pakistan to that by the Scientific Method in Japan is -

1. 9 : 40
2. 99 : 260
3. 51 : 260
4. 49 : 40

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

पाकिस्तान में पारम्परिक पद्धति और जापान में वैज्ञानिक पद्धति द्वारा गेहूं उत्पादन का अनुपात है :

1. 9 : 40
2. 99 : 260
3. 51 : 260
4. 49 : 40

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26109] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q3**
2[Option ID=26110]
3[Option ID=26111]
4[Option ID=26112]

Sl. No.4
QBID:16201004

The following table shows the percentage (%) distribution of wheat production in seven different countries, namely, India, China, Japan, Srilanka, Indonesia, Pakistan and Bangladesh by deploying Scientific Method and Conventional Method. Total production of wheat in these countries is 50 lakh tonnes. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Country-wise Distribution of Wheat Production

Country	Distribution (%) of Wheat Production (out of 50 lakh tonnes)	Distribution (%) of Wheat Production	
		Scientific Method	Conventional Method
India	18%	32%	68%
China	22%	70%	30%
Japan	20%	78%	22%
Srilanka	13%	60%	40%
Indonesia	10%	73%	27%
Pakistan	9%	66%	34%
Bangladesh	8%	20%	80%

निम्नलिखित तालिका वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति प्रयुक्त करने वाले विभिन्न सात देशों - भारत, चीन जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में गेहूं उत्पादन के प्रतिशत (%) वितरण को दर्शाती है। इन देशों का कुल गेहूं उत्पादन 50 लाख टन है। इस तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेहूं उत्पादन का देशवार वितरण

देश	गेहूं उत्पादन का वितरण (%) (50 लाख टन में से)	गेहूं उत्पादन का वितरण (%)	
		वैज्ञानिक पद्धति	पारम्परिक पद्धति
भारत	18%	32%	68%
चीन	22%	70%	30%
जापान	20%	78%	22%
श्रीलंका	13%	60%	40%
इंडोनेशिया	10%	73%	27%
पाकिस्तान	9%	66%	34%
बांग्लादेश	8%	20%	80%

Production of wheat in Srilanka by the Conventional Method is approximately _____ times the production of wheat in India by the Scientific Method.

1. 1.5
2. 0.9
3. 2.1
4. 1.2

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

श्रीलंका का पारम्परिक पद्धति से गेहूं उत्पादन भारत के वैज्ञानिक पद्धति द्वारा गेहूं उत्पादन से लगभग ____ गुना है।

1. 1.5
2. 0.9
3. 2.1
4. 1.2

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26113]
2[Option ID=26114]
3[Option ID=26115]
4[Option ID=26116]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q4

Sl. No.5
QBID:16201005

The following table shows the percentage (%) distribution of wheat production in seven different countries, namely, India, China, Japan, Srilanka, Indonesia, Pakistan and Bangladesh by deploying Scientific Method and Conventional Method. Total production of wheat in these countries is 50 lakh tonnes. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Country-wise Distribution of Wheat Production

Country	Distribution (%) of Wheat Production (out of 50 lakh tonnes)	Distribution (%) of Wheat Production	
		Scientific Method	Conventional Method
India	18%	32%	68%
China	22%	70%	30%
Japan	20%	78%	22%
Srilanka	13%	60%	40%
Indonesia	10%	73%	27%
Pakistan	9%	66%	34%
Bangladesh	8%	20%	80%

निम्नलिखित तालिका वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति प्रयुक्त करने वाले विभिन्न सात देशों - भारत, चीन जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में गेहूं उत्पादन के प्रतिशत (%) वितरण को दर्शाती है। इन देशों का कुल गेहूं उत्पादन 50 लाख टन है। इस तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेहूं उत्पादन का देशवार वितरण

देश	गेहूं उत्पादन का वितरण (%) (50 लाख टन में से)	गेहूं उत्पादन का वितरण (%)	
		वैज्ञानिक पद्धति	पारम्परिक पद्धति
भारत	18%	32%	68%
चीन	22%	70%	30%
जापान	20%	78%	22%
श्रीलंका	13%	60%	40%
इंडोनेशिया	10%	73%	27%
पाकिस्तान	9%	66%	34%
बांग्लादेश	8%	20%	80%

Production of wheat in India by the Scientific Method is approximately _____% more than the production of wheat in Pakistan by the Conventional Method.

1. 88.24
2. 86.26
3. 82.14
4. 78.24

(1) **1**

(2) **2**

(3) **3**

(4) **4**

भारत का वैज्ञानिक पद्धति से गेहूं उत्पादन पाकिस्तान के पारम्परिक पद्धति द्वारा गेहूं उत्पादन से लगभग ____ प्रतिशत अधिक है।

1. 88.24
2. 86.26
3. 82.14
4. 78.24

(1) **1**

(2) **2**

(3) **3**

(4) **4**

1[Option ID=26117] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q5**
2[Option ID=26118]
3[Option ID=26119]
4[Option ID=26120]

Sl. No.6
QBID:16201006

Which of the following softwares can be used to develop quizzes?

A. Wakelet

B. Learning Pod

C. Pixton

D. Hot Potatoes

E. Socrative

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and C only
2. B, C, D and E only
3. B, D and E only
4. A, D and E only

(1) **1**

(2) **2**

(3) **3**

(4) **4**

प्रश्नोत्तरियों (क्विजेज) को विकसित करने में निम्नलिखित में से किन सॉफ्टवेयर को प्रयुक्त किया जा सकता है?

A. वेकलैट

B. लर्निंग पौड

C. पिक्सटन

D. हॉट पोटेटॉज

E. सोक्रेटिव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और C
2. केवल B, C, D और E
3. केवल B, D और E
4. केवल A, D और E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26121] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q6**
2[Option ID=26122]
3[Option ID=26123]
4[Option ID=26124]

Sl. No.7
QBID:16201007

What are the learning styles according to Fleming's VARK model of learning?

1. Verbal, Auxiliary, Kinesthetic, Rehearsal
2. Visual, Auditory, Reading/writing, Kinesthetic
3. Verbal, Augmentative, Retrospective, Kinetic
4. Visual, Augmentary, Reading, Kinetic

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

फ्लेमिंग के वी.ए.आर.के. (VARK) अधिगम निदर्श के अनुसार कौनसी अधिगम शैलियां हैं?

1. मौखिक, सहायक, गतिबोधक, पूर्वाभ्यास
2. दृश्यक, श्रवणक (ऑडिटरी), पठन/लेखन, गतिबोधक
3. मौखिक, आवर्धक (ऑगमेंटेटिव), पूर्व-प्रभावी, गतिज (काइनेटिक)
4. दृश्यिक, आवर्धी (ऑगमेंटरी), पठन, गतिज

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26125] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q7**
2[Option ID=26126]

3[Option ID=26127]
4[Option ID=26128]

Sl. No.8
QBID:16201008

Rahul was trying to solve some mathematics problems related to trigonometry. He tried many times but failed. His teacher helped him, which led him to follow right approach and he succeeded to solve these problems. This is an example of-

1. Zone of the proximal development
2. Equilibrium
3. Assimilation
4. Schemas

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

राहुल त्रिकोणमिति से संबंधित गणित की कुछ समस्याओं के समाधान का प्रयास कर रहा था। उसने अनेक बार प्रयास किया, लेकिन विफल रहा। उसके शिक्षक ने उसकी सहायता की, जिसने उसका सही उपागम के अनुसरण करने का मार्ग प्रशस्त किया और वह इन समस्याओं के समाधान में सफल रहा। यह निम्नलिखित में से किसका एक उदाहरण है?

1. समीपस्थ विकास क्षेत्र
2. साम्य (इक्लिब्रियम)
3. आत्मसातीकरण
4. स्कीमाज (रूपरेखा)

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26129] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q8**
2[Option ID=26130]
3[Option ID=26131]
4[Option ID=26132]

Sl. No.9
QBID:16201009

Which of the following curriculum development models come under Non technical, Non-scientific models?

A. Open Classroom Model

B. Goodlad's Model

C. Roger's Model of Interpersonal Relations

D. Weinstein and Fantini Model

E. Taba's Model

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. B and E only
2. A, C and D only
3. C, D and E only
4. B and D only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

गैर-तकनीकी और गैर-वैज्ञानिक निदर्श (मॉडल्स) के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौनसे पाठ्यचर्या विकास निदर्श आते हैं?

A. खुली कक्षा निदर्श

B. गुडलैड का निदर्श

C. रोज़र का अंतर्वैयक्तिक निदर्श

D. विन्सिटीन और फेन्टिनी निदर्श

E. टाबा का निदर्श

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल B और E
2. केवल A, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26133] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q9**
2[Option ID=26134]
3[Option ID=26135]
4[Option ID=26136]

Sl. No.10
QBID:16201010

SWAYAM is a platform that facilitates hosting of all the courses, taught in classrooms from ----- to be accessed by anyone, anywhere at any time.

1. class 9th till the post- graduation
2. class 8th till the post- graduation
3. class 5th till doctorate degree
4. class 7th till the post- doctoral degree

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

स्वयम् एक ऐसा मंच है, जो प्रत्येक द्वारा, कहीं भी और किसी भी समय पर अभिगमित कक्षाओं में पढ़ाए जा रहे सभी पाठ्यक्रमों की --------- से -------- की मेजबानी करता है।

1. कक्षा-9 से स्नातकोत्तर तक
2. कक्षा-8 से स्नातकोत्तर तक
3. कक्षा-5 से डॉक्टरेट उपाधि तक
4. कक्षा-7 से डॉक्टरेट उपाधि के बाद की उपाधि तक

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26137] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q10**
2[Option ID=26138]
3[Option ID=26139]
4[Option ID=26140]

Sl. No.11
QBID:16201011

Which of the following scales of measurement contains an absolute zero?

1. Nominal
2. Ordinal
3. Interval
4. Ratio

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से मापन के किस स्केल में परम शून्य होता है?

1. नामिक (नॉमिनल)
2. क्रमसूचक (ऑर्डिनल)
3. अंतराल (इंटरवल)
4. अनुपात (रेशियो)

(1) 1

(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26141] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q11
2[Option ID=26142]
3[Option ID=26143]
4[Option ID=26144]

Sl. No.12
QBID:16201012

Robustness is concerned with

1. External validity
2. Internal validity
3. Measurement validity
4. Construct validity

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

खरापन (रोबस्टनेस) किस से संबंधित है :

1. बाह्य वैधता
2. आन्तरिक वैधता
3. मापन वैधता
4. रचना (कन्सट्रक्ट) वैधता

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26145] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q12
2[Option ID=26146]
3[Option ID=26147]
4[Option ID=26148]

Sl. No.13
QBID:16201013

A sampling technique in which initially sampled respondents contact and recruit others in their social network for participation in the research is called

1. Convenience sampling
2. Snowball sampling
3. Quota sampling
4. Systematic sampling

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

उस प्रतिचयन को क्या कहा जाता है जिसमें प्रारंभ में प्रतिचयनित अनुक्रिया करने वाले या उत्तर देने वाले अनुसंधान में सहभागिता के लिए अपने सामाजिक नेटवर्क में से अन्य व्यक्तियों से संपर्क करते हैं और उनकी भर्ती करते हैं ?

1. सुविधाजन्य प्रतिचयन
2. स्नोबॉल प्रतिचयन
3. कोटा प्रतिचयन
4. श्रृंखलाबद्ध प्रतिचयन

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26149] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q13**
2[Option ID=26150]
3[Option ID=26151]
4[Option ID=26152]

Sl. No.14
QBID:16201014

Arrange the following components of a research paper written in APA style, in correct order

A. Tables

B. Abstract

C. References

D. Figures

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. B, C, A, D
2. B, C, D, A
3. B, A, D, C
4. B, A, C, D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

एपीए (APA) शैली में लिखित शोध पत्र के निम्नलिखित घटकों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. सारणी

B. सार

C. सन्दर्भ

D. चित्र

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. B, C, A, D
2. B, C, D, A
3. B, A, D, C
4. B, A, C, D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26153] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q14**
2[Option ID=26154]
3[Option ID=26155]
4[Option ID=26156]

Sl. No.15
QBID:16201015

Given below are two statements:

Statement I: Debriefing of participants takes place at the beginning of a study.

Statement II: Deception is the practice of giving false information to research participants about some aspect of the study.

In light of the above statements, choose the **most appropriate** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : शोध अध्ययन के प्रारंभ में सहभागियों की जानकारी (डीब्रीफिंग) प्राप्त की जाती है।

कथन - II : शोध के सहभागियों को अध्ययन के कुछ पहलू के बारे में गलत जानकारी प्रदान करने का प्रचलन छल (डिसेप्शन) है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26157] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q15**
2[Option ID=26158]
3[Option ID=26159]
4[Option ID=26160]

Sl. No.16
QBID:16201016

The linear model of communication can be described as

1. Liberal
2. Authoritarian
3. Confessional
4. Participatory

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

संप्रेषण के रेखीय मॉडल का वर्णन, निम्नलिखित में से किस रूप में किया जा सकता है?

1. उदारवादी
2. सत्तावादी
3. आत्मस्वीकृति
4. सहभागी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26161] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q16**
2[Option ID=26162]
3[Option ID=26163]
4[Option ID=26164]

Sl. No.17
QBID:16201017

Studying the practical use of signs and their impact on everyday life is called

1. Linguistics
2. Syntactics
3. Semantics
4. Pragmatics

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

संकेतों के व्यावहारिक प्रयोग एवं दैनंदिन जीवन पर उसके प्रभाव का अध्ययन कहलाता है :

1. भाषा-विन्यास
2. वाक्यविन्यास विज्ञान
3. शब्दार्थ विज्ञान
4. प्रयोजनमूलक भाषा-शास्त्र विज्ञान (प्रैग्मेटिक्स)

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26165] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q17**
2[Option ID=26166]
3[Option ID=26167]
4[Option ID=26168]

Sl. No.18
QBID:16201018

What factors are responsible for ineffective listening in a classroom?

A. Contextualisation of message

B. Attention-triggers

C. Physical or mental fatigue

D. Lack of incentive

E. Insufficient preparation

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B, C only
2. C, D, E only
3. B, C, D only
4. A, D, E only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

कक्षा में निष्प्रभावी श्रवण हेतु उत्तरदायी कारक निम्नलिखित में से कौन से हैं?

A. संदेश का संदर्भ-निर्धारण

B. ध्यान विमोचक (अटेंशन-ट्रिगर्स)

C. शारीरिक एवं मानसिक थकान

D. प्रेरक का अभाव

E. अपर्याप्त तैयारी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और C
2. केवल C, D और E
3. केवल B, C और D
4. केवल A, D और E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26169] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q18**
2[Option ID=26170]
3[Option ID=26171]
4[Option ID=26172]

Sl. No.19
QBID:16201019

The mechanical model of mass communication is characterised by

A. Multiple ways flow

B. One-way flow

C. From one-to-many

D. Can be anonymous

E. Active audience

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B, C only
2. B, C, D only
3. C, D, E only
4. A, D, E only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

जन संचार के यांत्रिक मॉडल के अभिलक्षण निम्नांकित में से कौन से हैं?

A. बहुविध प्रवाह

B. एक दिशीय प्रवाह

C. एक से अनेक को

D. अज्ञात हो सकता है

E. सक्रिय आग्राहक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल A, D और E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26173] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q19**
2[Option ID=26174]
3[Option ID=26175]
4[Option ID=26176]

Sl. No.20
QBID:16201020

Given below are two statements:

Statement I: In the earlier days of mass communication, content creators played an important role in the society.

Statement II: They represented and defined reality by authoring narratives to explain to the audience.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : जन संचार के आरंभिक दिनों में विषय-वस्तु निर्माताओं ने समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कथन - II : उन्होंने आग्राहकों को व्याख्यायित करने के लिए वृत्तांत लेखन द्वारा वास्तविकता को प्रस्तुत किया और उसे परिभाषित किया।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26177] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q20**
2[Option ID=26178]
3[Option ID=26179]
4[Option ID=26180]

Sl. No.21
QBID:16201021

A family comprises of 3 persons A, B and C. The age of A is four times that of B. In four years time, A will be 40 years old. The age of C was half the age of A four years ago. Find the present age of B and C (in years), respectively.

1. 9, 20
2. 9, 16
3. 16, 32
4. 12, 18

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

एक परिवार में A, B और C तीन व्यक्ति हैं। A की आयु B की आयु का चार गुना है। चार वर्ष पश्चात A की आयु 40 वर्ष होगी। C की आयु चार वर्ष पूर्व A की आयु के आधी थी। क्रमशः B और C की आयु (वर्षों में) ज्ञात कीजिए।

1. 9, 20
2. 9, 16
3. 16, 32
4. 12, 18

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26181] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q21**
2[Option ID=26182]

3[Option ID=26183]
4[Option ID=26184]

Sl. No.22
QBID:16201022

While pointing towards a picture, a man says "This girl is the wife of the grand-son of my mother". How is the man related to the girl in the picture?

1. Brother-in-law
2. Father
3. Father-in-law
4. Brother

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

एक तस्वीर की ओर संकेत करते हुए एक व्यक्ति कहता है कि, "यह लड़की मेरी माँ के पौत्र की पत्नी है।" तस्वीर की लड़की का उस व्यक्ति से क्या संबंध है?

1. साला/ जीजा
2. पिता
3. ससुर
4. भाई

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26185]
2[Option ID=26186]
3[Option ID=26187]
4[Option ID=26188]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q22

Sl. No.23
QBID:16201023

A man starts from a point X and walks 20 meters to reach a point Y in the north-east direction. He then turns right and walks 20 meters again to reach a point Z. How far is the point Z from point X?

1. $20\sqrt{2}$ m
2. $10\sqrt{2}$ m
3. 20 m
4. $2\sqrt{20}$ m

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

एक व्यक्ति X बिन्दु से चलना आरंभ करता है और उत्तर पूर्व दिशा में Y बिन्दु पर पहुँचने के लिए 20 मीटर चलता है। वह उसके बाद दाहिनी ओर मुड़ता है और Z बिन्दु पर पहुँचने के लिए फिर 20 मीटर चलता है। Z बिन्दु की X बिन्दु से दूरी कितनी है?

1. 20√2 मीटर
2. 10√2 मीटर
3. 20 मीटर
4. 2√20 मीटर

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26189] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q23**
2[Option ID=26190]
3[Option ID=26191]
4[Option ID=26192]

Sl. No.24
QBID:16201024

A man invests some amount of money for some time period. This amount of money becomes ₹4500 at the rate of 7% simple interest. However, if invested at 5% per annum simple interest, the same amount becomes ₹3500. Find out the amount of money and the time period.

1. ₹1000, 50 years.
2. ₹2000, 50 years.
3. ₹1000, 30 years.
4. ₹2000, 30 years.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

एक व्यक्ति किसी धनराशि का निवेश कुछ समय के लिए करता है। यह धनराशि 7% साधारण ब्याज की दर से ₹4500 हो जाती है। तथापि, यदि 5% वार्षिक साधारण ब्याज की दर से निवेश किया जाए तो वही धनराशि ₹3500 हो जाती है। धनराशि एवं समयावधि ज्ञात कीजिए :

1. ₹ 1000, 50 वर्ष
2. ₹ 2000, 50 वर्ष
3. ₹ 1000, 30 वर्ष
4. ₹ 2000, 30 वर्ष

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26193] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q24**
2[Option ID=26194]
3[Option ID=26195]
4[Option ID=26196]

Sl. No.25
QBID:16201025

What number should replace question mark (?) in the series given below:

12, 12, 24, 72, 288, ?, 8640

1. 360
2. 1152
3. 1415
4. 1440

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दी गई श्रृंखला में कौन सी संख्या प्रश्न वाचक चिन्ह (?) को प्रतिस्थापित करेगी ?

12, 12, 24, 72, 288, ?, 8640

1. 360
2. 1152
3. 1415
4. 1440

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26197] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q25**
2[Option ID=26198]
3[Option ID=26199]
4[Option ID=26200]

Sl. No.26
QBID:16201026

If 'No metals are gases' is given as false, then which of the following statements can be immediately inferred to be true?

A. All gases are metals.

B. All metals are gases.

C. Some metals are not gases.

D. Some metals are gases.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. C and D only
2. A and B only
3. D only
4. A and D only

(1) 1
(2) 2

(3) 3

(4) 4

यदि 'कोई धातु गैस नहीं है' को गलत के रूप में दिया गया है तो निम्नलिखित में से किस कथन के सही होने का तात्कालिक रूप से अनुमान किया जा सकता है?

A. सभी गैसें धातुएं हैं।

B. सभी धातुएं गैसें हैं।

C. कुछ धातुएँ गैस नहीं हैं।

D. कुछ धातुएं गैस हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल C और D
2. केवल A और B
3. केवल D
4. केवल A और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26201] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q26**
2[Option ID=26202]
3[Option ID=26203]
4[Option ID=26204]

Sl. No.27
QBID:16201027

Which of the following statements are so related that they can not both be false, although they may both be true?

A. All metals are gases.

B. Some metals are gases.

C. Some metals are not gases.

D. No metals are gases.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and D only
2. B and C only
3. A and B only
4. C and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन से कथन इस प्रकार संबंधित हैं कि वे दोनों गलत नहीं हो सकते, यद्यपि वे दोनों सही हो सकते हैं?

A. सभी धातुएं गैसें हैं।

B. कुछ धातुएं गैस हैं।

C. कुछ धातुएं गैस नहीं हैं।

D. कोई भी धातु गैस नहीं है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और D
2. केवल B और C
3. केवल A और B
4. केवल C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26205] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q27**
2[Option ID=26206]
3[Option ID=26207]
4[Option ID=26208]

Sl. No.28
QBID:16201028

"The last time I stretched my arms first and my legs second, I won my race, So that stretching sequence must have increased my speed." Which informal fallacy is committed in the above statement?

1. Post hoc
2. False alternative
3. Hasty generalisation
4. Slippery slope

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

"पहली बार मैंने अपनी भुजाएं और दूसरी बार अपनी टांगों को खिंचाव दिया और मैंने अपनी दौड़ जीत ली। इसलिए, इस खिंचाव देने के क्रम ने मेरी गति बढ़ा दी होगी।"

उपर्युक्त कथन में कौनसा अनाकारिक तर्क-दोष किया गया है?

1. पोस्ट हॉक
2. गलत विकल्प
3. अविचारी सामान्यीकरण
4. फिसलनयुक्त ढलान (स्लिपरि स्लोप)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26209] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q28
2[Option ID=26210]
3[Option ID=26211]
4[Option ID=26212]

Sl. No.29
QBID:16201029

Which of the following statements is logically equivalent to the statement -' No metals are gases'?

1. All non-metals are gases.
2. No gases are metals.
3. No metals are non-gases.
4. All non-gases are non- metals.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौनसा कथन तार्किक रूप से इस कथन के समतुल्य है - 'कोई भी धातु गैस नहीं है'?

1. सभी गैर-धातुएं गैसें हैं।
2. कोई भी गैस धातु नहीं है।
3. कोई भी धातु गैर-गैस नहीं है।
4. सभी गैर-गैसें गैर-धातुएं हैं।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26213] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q29
2[Option ID=26214]
3[Option ID=26215]
4[Option ID=26216]

Sl. No.30
QBID:16201030

According to Nyāya (classical Indian school of logic) Which fallacy is committed in the following argument- 'Sound is eternal because it is produced'?

1. Anupasmhāri
2. Sādhāraṇa
3. Svarūpāsiddha
4. Viruddha

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

न्याय (शास्त्रीय भारतीय तर्कशास्त्र विचार-सम्प्रदाय) के अनुसार निम्नलिखित युक्ति में कौनसा तर्क-दोष किया गया है?

"ध्वनि शाश्वत है क्योंकि यह उत्पन्न की जाती है।"

1. अनुपसम्हारी
2. साधारण
3. स्वरूपासिद्ध
4. विरुद्ध

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26217] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q30**
2[Option ID=26218]
3[Option ID=26219]
4[Option ID=26220]

Sl. No.31
QBID:16201031

Which one of the following acronyms matches incorrectly with its full form?

1. SMS- Short Message Storage
2. URL - Uniform Resource Locator
3. BLOG- weB LOG
4. VPN- Virtual Private Network

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन सा परिवर्णी शब्द उसके पूर्ण रूप से सही सुमेलित नहीं है?

1. एस एम एस - शार्ट मैसेज स्टोरेज
2. यू आर एल - यूनिफार्म रिसोर्स लोकेटर
3. ब्लॉग - वेब लॉग (weB LOG)
4. वी पी एन - वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26221] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q31**
2[Option ID=26222]
3[Option ID=26223]
4[Option ID=26224]

Sl. No.32
QBID:16201032

Identify the correct order of the following list of stages A-E when an email is sent and received.

A. Sender's ISP mail server decides how to route the message, and the message travels over the Internet and arrives at recipient's ISP mail server.

B. Message retrieved and sent to recipient's computer to be opened and read.

C. The sender composes his message and activates the send command.

D. Message held in recipient's electronic mail box and recipient logs on to read his messages.

E. Message is sent to sender's ISP mail server and this server examines address associated with message.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. C, E, A, B, D
2. A, C, B, D, E
3. D, B, C, E, A
4. C, E, A, D, B

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित सूची की A-E की ईमेल भेजने और प्राप्त करने की अवस्थाओं के सही क्रम को चिन्हित कीजिए :

A. प्रेषक का आई एस पी मेल सर्वर निर्णय करता है कि संदेश का मार्ग क्या होगा, और संदेश इंटरनेट पर जाता है तथा प्राप्तकर्ता के आई एस पी मेल सर्वर पर पहुँचता है

B. संदेश की पुनर्प्राप्ति होती है और इसे प्राप्तकर्ता के कंप्यूटर पर खोलने और पढ़ने के लिए भेजा जाता है

C. प्रेषक अपना संदेश लिखता है और सेन्ड कमांड को सक्रिय करता है

D. प्राप्तकर्ता के इलेक्ट्रानिक मेल बाक्स में संदेश प्राप्त होता है और प्राप्तकर्ता अपने संदेश को पढ़ने के लिए लॉग ऑन करता है

E. प्रेषक के आई एस पी मेल सर्वर पर संदेश भेजा जाता है और यह सर्वर संदेश के साथ संबद्ध एड्रेस का परीक्षण करता है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. C, E, A, B, D
2. A, C, B, D, E
3. D, B, C, E, A
4. C, E, A, D, B

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26225] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q32**
2[Option ID=26226]
3[Option ID=26227]
4[Option ID=26228]

Sl. No.33
QBID:16201033

Given below are two statements:

Statement I: $(4A2F)_{16} = (18991)_{10}$

Statement II: $(6940)_{10} = (1B1C)_{16}$

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : $(4A2F)_{16} = (18991)_{10}$

कथन - II : $(6940)_{10} = (1B1C)_{16}$

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26229] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q33**
2[Option ID=26230]
3[Option ID=26231]
4[Option ID=26232]

Sl. No.34
QBID:16201034

Which of the following memory/ storage devices are considered as primary storage?

A. Removable hard disk drive

B. RAM

C. ROM

D. DVD/CD

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and D only
2. B and D only
3. A and C only
4. B and C only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से कौन सी स्मृति / भंडारण युक्तियाँ प्राथमिक भंडारण मानी जाती हैं?

A. स्थानांतरणीय हार्ड डिस्क ड्राइव

B. रैम (RAM)

C. रॉम (ROM)

D. डी वी डी / सी डी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और D
2. केवल B और D
3. केवल A और C
4. केवल B और C

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26233] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q34**
2[Option ID=26234]
3[Option ID=26235]
4[Option ID=26236]

Sl. No.35
QBID:16201035

Match **List I** with **List II**

List I (Desciption)	**List II (ICT Term)**
A. Set of rules that must be obeyed when transforming files on data across the internet	I. Internet Service Provider
B. ID given to a device when it connects to the Internet; the ID changes each time the device connects	II. Hyper Text Transfer Protocol (HTTP)
C. Company that provides the user with access to the Internet for a monthly subscription	III. Media Access Control (MAC) address
D. ID which uniquely identifies a device connected to the Internet; this ID rarely changes.	IV. Internet Protocol (IP) Address

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - IV, B - II, C - I, D - III
2. A - II, B - IV, C - I, D - III
3. A - III, B - I, C - IV, D - II
4. A - I, B - IV, C - II, D - III

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (विवरण)	सूची-II (आई सी टी शब्द)
A. नियमों का वह समुच्चय जिसका इंटरनेट पर फाइलों या डाटा स्थानांतरण करते समय अवश्य पालन करना चाहिए	I. इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर
B. इंटरनेट से जुड़ते समय किसी युक्ति को दी गई आई डी; हर बार जब युक्ति इंटरनेट से जुड़ती है तो आई डी परिवर्तित हो जाती है	II. हाइपरटेक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल (एच टी टी पी)
C. वह कंपनी जो प्रयोक्ताओं को मासिक चंदे पर इंटरनेट अभिगम प्रदान करती है	III. मीडिया एक्सेस कंट्रोल (एम ए सी) एड्रेस
D. वह आई डी जो इंटरनेट से जुड़ी हुई किसी युक्ति को विशिष्ट रूप से चिन्हित करती है; यह आई डी कभी कभार परिवर्तित होती है	IV. इंटरनेट प्रोटोकॉल (आई पी) एड्रेस

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - IV, B - II, C - I, D - III
2. A - II, B - IV, C - I, D - III
3. A - III, B - I, C - IV, D - II
4. A - I, B - IV, C - II, D - III

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26237] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q35**
2[Option ID=26238]

3[Option ID=26239]
4[Option ID=26240]

Sl. No.36
QBID:16201036

Hydrogen produced using solar energy is called as

1. Grey hydrogen
2. Green hydrogen
3. White hydrogen
4. Torquoise hydrogen

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सौर ऊर्जा के उपयोग द्वारा उत्पन्न की गयी हाइड्रोजन को क्या कहा जाता है?

1. धूसर हाइड्रोजन
2. हरित हाइड्रोजन
3. श्वेत हाइड्रोजन
4. टर्कोइज (फीरोजा) हाइड्रोजन

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26241] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q36**
2[Option ID=26242]
3[Option ID=26243]
4[Option ID=26244]

Sl. No.37
QBID:16201037

Match **List I** with **List II**

List-I (Summit/ Protocol)	**List-II (Theme/ Issue)**
A. Paris Agreement	I. Ozone layer
B. Kyoto Protocol	II. Human environment
C. Rio Summit	III. Clean Development Mechanism
D. Montreal Protocol	IV. Climate change issues

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - III, C - IV, D - I
3. A - IV, B - II, C - III, D - I
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

(1) 1
(2) 2
(3) 3

(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I शिखर सम्मेलन / प्रोटोकॉल	सूची -II विषय / मुद्दे
A. पेरिस समझौता	I. ओजोन परत
B. क्योटो प्रोटोकॉल	II. मानव पर्यावरण
C. रियो शिखर सम्मेलन	III. स्वच्छ विकास क्रिया-विधि
D. मांट्रियल प्रोटोकॉल	IV. जलवायु परिवर्तन के मुद्दे

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - III, C - IV, D - I
3. A - IV, B - II, C - III, D - I
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26245] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q37
2[Option ID=26246]
3[Option ID=26247]
4[Option ID=26248]

Sl. No.38
QBID:16201038

Match **List I** with **List II**

List-I (Effect type due to sea level rise)	**List-II (Example)**
A. Biogeophysical effect	I. Rehabilitation
B. Climatic effect	II. Flooding due to sea water
C. Social effect	III. Salt water intrusion
D. Non-climatic effect	IV. Storm changes

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - III, B - II, C - IV, D - I
2. A - III, B - IV, C - I, D - II
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - IV, B - III, C - I, D - II

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (समुद्र तल में वृद्धि के प्रभाव के प्रकार)	सूची-II (उदाहरण)
A.जैव भूभौतिक प्रभाव	I. पुनर्वास
B. जलवायु प्रभाव	II. समुद्री जल के कारण बाढ़
C. सामाजिक प्रभाव	III. लवण जल अंतर्वेधन
D. गैर-जलवायु प्रभाव	IV. झंझावात परिवर्तन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - III, B - II, C - IV, D - I
2. A - III, B - IV, C - I, D - II
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - IV, B - III, C - I, D - II

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26249] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q38**
2[Option ID=26250]
3[Option ID=26251]
4[Option ID=26252]

Sl. No.39
QBID:16201039

Which of the following are removed through secondary waste water treatment process?

1. Polythene, tetra pack, etc.
2. Large suspended solids
3. Colloidal and dissolved organic matter
4. Settleable organic matters

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से किसे द्वितीयक अपशिष्ट जल शोधन प्रक्रिया द्वारा हटाया जाता है?

1. पॉलीथीन, टेट्रापैक आदि
2. वृहत निलंबित ठोस
3. कोलॉइडी और विलयित जैव पदार्थ
4. स्थिर होने योग्य जैव पदार्थ

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26253] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q39**
2[Option ID=26254]
3[Option ID=26255]
4[Option ID=26256]

Sl. No.40
QBID:16201040

Given below are two statements:

Statement I: Article 48A: It is the duty of citizens of India to protect and improve the natural environment.

Statement II: Article 51: Directive Principles of state policy are to ensure protection and improvement of the natural Environment.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : अनुच्छेद 48ए : भारत के नागरिकों का यह कर्तव्य है कि वे प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित एवं संवर्धित करें।

कथन - II : अनुच्छेद 51 : राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन को सुनिश्चित करते हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26257] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q40**
2[Option ID=26258]
3[Option ID=26259]
4[Option ID=26260]

Sl. No.41
QBID:16201041

According to NEP 2020, how much percentage of learners by 2025 through the school and higher education system shall have exposure to vocational education?

1. 50%
2. 40%
3. 35%
4. 60%

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के अनुसार 2025 तक कितने प्रतिशत अधिगमकर्ताओं को विद्यालय और उच्चतर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा का उद्भासन प्राप्त होगा?

1. 50 प्रतिशत
2. 40 प्रतिशत
3. 35 प्रतिशत
4. 60 प्रतिशत

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26261] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q41**
2[Option ID=26262]
3[Option ID=26263]
4[Option ID=26264]

Sl. No.42
QBID:16201042

What is full form of 'STARS' ?

1. Scheme for Transformational and Advanced Research in Fundamental Sciences
2. Schedule for Transdisciplinary and Advocacy Research in Framework of Society.
3. Standard for Transformational and Advanced Rights in Framework of Society.
4. Standard for Transdisciplinary and Academic Research in Fundamental Sciences.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

'एस.टी.ए.आर.एस.' (STARS) का पूरा नाम क्या है?

1. स्कीम फॉर ट्रांसफोर्मेशनल एंड एडवांस्ड रिसर्च इन फंडामेंटल साइंसेज
2. शिड्यूल फॉर ट्रांसडिसिप्लीनरी एंड एडवोकेसी रिसर्च इन फ्रेमवर्क ऑफ सोसायटी
3. स्टैन्डर्ड फॉर ट्रांसफोर्मेशनल एंड एडवांस्ड राइट्स इन फ्रेमवर्क ऑफ सोसायटी
4. स्टैन्डर्ड फॉर ट्रांसडिसिप्लीनरी एंड एकेडेमिक रिसर्च इन फंडामेन्टल साइंसेज

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26265]
2[Option ID=26266]
3[Option ID=26267]
4[Option ID=26268]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q42

Sl. No.43
QBID:16201043

Given below are two statements:

Statement I: Distance education has replaced the formal education in India

Statement II: Distance education reduces the cost of education

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : भारत में दूरस्थ शिक्षा ने औपचारिक शिक्षा को प्रतिस्थापित कर दिया है।

कथन - II : दूरस्थ शिक्षा शिक्षा की लागत को कम करती है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26269]
2[Option ID=26270]
3[Option ID=26271]
4[Option ID=26272]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q43

Sl. No.44
QBID:16201044

What is the full form of 'NITI'?

1. National Integration for Teaching Indians
2. Non-Government Initiation for Training Institute
3. National Institution for Transforming India
4. National Identification for Technical Integration

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

"नीति" का पूर्ण रूप क्या है?

1. नेशनल इंटीग्रेशन फॉर टीचिंग इंडियन्स
2. नॉन गवर्नमेंट इनिशिएशन फॉर ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट
3. नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफार्मिंग इंडिया
4. नेशनल आईडेन्टिफिकेशन फॉर टेक्नीकल इन्टीग्रेशन

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26273] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q44**
2[Option ID=26274]
3[Option ID=26275]
4[Option ID=26276]

Sl. No.45
QBID:16201045

During the ancient period in India which of the following places were included among the places of learning?

A. Temples

B. Mathas

C. Basadis

D. Viharas

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B and D only
2. A and D only
3. A, B, C and D
4. A, C and D only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

भारत में प्राचीन काल के दौरान निम्नलिखित में से कौन से स्थल अधिगम केन्द्रों में शामिल थे?

A. मंदिर

B. मठ

C. बसदी

D. विहार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और D
2. केवल A और D
3. A, B, C और D
4. केवल A, C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26277]
2[Option ID=26278]
3[Option ID=26279]
4[Option ID=26280]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q45

Sl. No.46
QBID:16201046

Read the following passage and answer the questions that follow:

In 1882 the Punjab University was established by a Special Act of Incorporation and in 1887 another Special Act of Incorporation established the fifth Indian university at Allahabad. The general framework of these two Special Acts of Incorporation was similar to the Acts of 1857 though power was given to the Senates of the Punjab and the Allahabad Universities "to appoint or provide for the appointment of Professor and Lecturers"- a privilege which was denied by the Acts of Incorporation to the first three universities at Calcutta, Bombay and Madras in 1857. The first three universities were deliberately intended to be examining universities only, in the same manner and on the same model as the then University of London. Thereby it ignored an important suggestion of the Education Despatch of 1854 which suggested possible institution of "professorships for the purpose of the delivery of lectures in various branches of learning for the acquisition of which, at any rate in an advanced degree, facilities do not now exist in other institutions in India." When Lahore and Allahabad got this privilege in 1882 and 1887, respectively, The Indians had asked for its extension to Calcutta, Bombay and Madras but European officials closely connected with the university contested it on two grounds.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्ष 1882 में एक विशेष निगमन अधिनियम द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और एक दूसरे विशेष निगमन अधिनियम द्वारा वर्ष 1887 में इलाहाबाद में पाँचवें भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। इन दो विशेष निगमन अधिनियमों का सामान्य दायरा वर्ष 1857 के अधिनियमों के समान ही था हालाँकि पंजाब और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के सीनेटों को "प्रोफेसर और लेक्चररों की नियुक्ति करने या नियुक्ति का प्रावधान करने की शक्ति दी गई" - यह विशेषाधिकार था जिसे निगमन अधिनियमों द्वारा वर्ष 1857 में कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास स्थित विश्वविद्यालयों को देने से इनकार कर दिया गया था। इन पहले तीनों विश्वविद्यालयों को जानबूझकर उसी रीति और मॉडल के आधार पर केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय बनाया गया था जैसे लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेनेवाला विश्वविद्यालय था। इसके माध्यम से इसमें 1854 के एजूकेशन डिस्पैच के एक महत्वपूर्ण सुझाव को नजरंदाज कर दिया गया था "जिसमें ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में व्याख्यान देने के उद्देश्य से प्रोफेसरशिप की संभावित संस्था का रूप देने का सुझाव दिया गया था जिन्हें उन्नत डिग्री स्तर पर किसी भी रूप में प्राप्त करने की सुविधाएँ भारत की अन्य संस्थाओं में मौजूद नहीं थी।" जब लाहौर और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों को क्रमश: 1882 और 1887 में ये विशेषाधिकार प्राप्त हो गए तो भारतीयों ने कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास विश्वविद्यालयों को भी यह विशेषाधिकार देने का अनुरोध किया था परंतु विश्वविद्यालय से घनिष्ठ रूप से जुड़े यूरोपिय अधिकारियों ने दो आधारों पर इसका विरोध किया था।

Given below are two statements:

Statement I: All the Special Acts of Incorporation by which universities were established in India were exactly the same.

Statement II: The first university in India to be granted the power to appoint Professor and Lecturers was Allahabad University.

In light of the above statements, choose the **most appropriate** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : सभी विशेष निगमन अधिनियम जिनके द्वारा भारत में विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई थी, बिलकुल समान थे।

कथन - II : भारत में पहला विश्वविद्यालय, जिसे प्रोफेसर और व्याख्याताओं (लेक्चरर्स) को नियुक्त करने का अधिकार दिया गया था, वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय था।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26281] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q46**
2[Option ID=26282]
3[Option ID=26283]
4[Option ID=26284]

Sl. No.47
QBID:16201047

Read the following passage and answer the questions that follow:

In 1882 the Punjab University was established by a Special Act of Incorporation and in 1887 another Special Act of Incorporation established the fifth Indian university at Allahabad. The general framework of these two Special Acts of Incorporation was similar to the Acts of 1857 though power was given to the Senates of the Punjab and the Allahabad Universities "to appoint or provide for the appointment of Professor and Lecturers"- a privilege which was denied by the Acts of Incorporation to the first three universities at Calcutta, Bombay and Madras in 1857. The first three universities were deliberately intended to be examining universities only, in the same manner and on the same model as the then University of London. Thereby it ignored an important suggestion of the Education Despatch of 1854 which suggested possible institution of "professorships for the purpose of the delivery of lectures in various branches of learning for the acquisition of which, at any rate in an advanced degree, facilities do not now exist in other institutions in India." When Lahore and Allahabad got this privilege in 1882 and 1887, respectively, The Indians had asked for its extension to Calcutta, Bombay and Madras but European officials closely connected with the university contested it on two grounds.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्ष 1882 में एक विशेष निगमन अधिनियम द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और एक दूसरे विशेष निगमन अधिनियम द्वारा वर्ष 1887 में इलाहाबाद में पाँचवें भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। इन दो विशेष निगमन अधिनियमों का सामान्य दायरा वर्ष 1857 के अधिनियमों के समान ही था हालाँकि पंजाब और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के सीनेटों को "प्रोफेसर और लेक्चररों की नियुक्ति करने या नियुक्ति का प्रावधान करने की शक्ति दी गई" - यह विशेषाधिकार था जिसे निगमन अधिनियमों द्वारा वर्ष 1857 में कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास स्थित विश्वविद्यालयों को देने से इनकार कर दिया गया था। इन पहले तीनों विश्वविद्यालयों को जानबूझकर उसी रीति और मॉडल के आधार पर केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय बनाया गया था जैसे लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेनेवाला विश्वविद्यालय था। इसके माध्यम से इसमें 1854 के एजूकेशन डिस्पैच के एक महत्वपूर्ण सुझाव को नजरंदाज कर दिया गया था "जिसमें ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में व्याख्यान देने के उद्देश्य से प्रोफेसरशिप की संभावित संस्था का रूप देने का सुझाव दिया गया था जिन्हें उन्नत डिग्री स्तर पर किसी भी रूप में प्राप्त करने की सुविधाएँ भारत की अन्य संस्थाओं में मौजूद नहीं थी।" जब लाहौर और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों को क्रमश: 1882 और 1887 में ये विशेषाधिकार प्राप्त हो गए तो भारतीयों ने कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास विश्वविद्यालयों को भी यह विशेषाधिकार देने का अनुरोध किया था परंतु विश्वविद्यालय से घनिष्ठ रूप से जुड़े यूरोपिय अधिकारियों ने दो आधारों पर इसका विरोध किया था।

Given below are two statements:

Statement I: Allahabad University and Punjab University were established at the same time

Statement II: Bombay University and Madras University were established at the same time

In light of the above statements, choose the **most appropriate** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : इलाहाबाद विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय एक ही समय में स्थापित किए गए थे।

कथन - II : बाम्बे विश्वविद्यालय और मद्रास विश्वविद्यालय एक ही समय में स्थापित किए गए थे।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26285] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q47**
2[Option ID=26286]
3[Option ID=26287]
4[Option ID=26288]

Sl. No.48
QBID:16201048

Read the following passage and answer the questions that follow:

In 1882 the Punjab University was established by a Special Act of Incorporation and in 1887 another Special Act of Incorporation established the fifth Indian university at Allahabad. The general framework of these two Special Acts of Incorporation was similar to the Acts of 1857 though power was given to the Senates of the Punjab and the Allahabad Universities "to appoint or provide for the appointment of Professor and Lecturers"- a privilege which was denied by the Acts of Incorporation to the first three universities at Calcutta, Bombay and Madras in 1857. The first three universities were deliberately intended to be examining universities only, in the same manner and on the same model as the then University of London. Thereby it ignored an important suggestion of the Education Despatch of 1854 which suggested possible institution of "professorships for the purpose of the delivery of lectures in various branches of learning for the acquisition of which, at any rate in an advanced degree, facilities do not now exist in other institutions in India." When Lahore and Allahabad got this privilege in 1882 and 1887, respectively, The Indians had asked for its extension to Calcutta, Bombay and Madras but European officials closely connected with the university contested it on two grounds.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्ष 1882 में एक विशेष निगमन अधिनियम द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और एक दूसरे विशेष निगमन अधिनियम द्वारा वर्ष 1887 में इलाहाबाद में पाँचवें भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। इन दो विशेष निगमन अधिनियमों का सामान्य दायरा वर्ष 1857 के अधिनियमों के समान ही था हालाँकि पंजाब और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के सीनेटों को "प्रोफेसर और लेक्चररों की नियुक्ति करने या नियुक्ति का प्रावधान करने की शक्ति दी गई" - यह विशेषाधिकार था जिसे निगमन अधिनियमों द्वारा वर्ष 1857 में कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास स्थित विश्वविद्यालयों को देने से इनकार कर दिया गया था। इन पहले तीनों विश्वविद्यालयों को जानबूझकर उसी रीति और मॉडल के आधार पर केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय बनाया गया था जैसे लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेनेवाला विश्वविद्यालय था। इसके माध्यम से इसमें 1854 के एजूकेशन डिस्पैच के एक महत्वपूर्ण सुझाव को नजरंदाज कर दिया गया था "जिसमें ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में व्याख्यान देने के उद्देश्य से प्रोफेसरशिप की संभावित संस्था का रूप देने का सुझाव दिया गया था जिन्हें उन्नत डिग्री स्तर पर किसी भी रूप में प्राप्त करने की सुविधाएँ भारत की अन्य संस्थाओं में मौजूद नहीं थी।" जब लाहौर और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों को क्रमशः 1882 और 1887 में ये विशेषाधिकार प्राप्त हो गए तो भारतीयों ने कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास विश्वविद्यालयों को भी यह विशेषाधिकार देने का अनुरोध किया था परंतु विश्वविद्यालय से घनिष्ठ रूप से जुड़े यूरोपिय अधिकारियों ने दो आधारों पर इसका विरोध किया था।

Identify the first three universities established in India

A. Allahabad

B. Punjab

C. Calcutta

D. Bombay

E. Madras

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and D only
3. C, D and E only
4. B, D and E only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

भारत में स्थापित पहले तीन विश्वविद्यालयों की पहचान करें

A. इलाहाबाद

B. पंजाब

C. कलकत्ता

D. बाम्बे

E. मद्रास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B, D और E

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26289] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q48**
2[Option ID=26290]
3[Option ID=26291]
4[Option ID=26292]

Sl. No.49
QBID:16201049

Read the following passage and answer the questions that follow:

In 1882 the Punjab University was established by a Special Act of Incorporation and in 1887 another Special Act of Incorporation established the fifth Indian university at Allahabad. The general framework of these two Special Acts of Incorporation was similar to the Acts of 1857 though power was given to the Senates of the Punjab and the Allahabad Universities "to appoint or provide for the appointment of Professor and Lecturers"- a privilege which was denied by the Acts of Incorporation to the first three universities at Calcutta, Bombay and Madras in 1857. The first three universities were deliberately intended to be examining universities only, in the same manner and on the same model as the then University of London. Thereby it ignored an important suggestion of the Education Despatch of 1854 which suggested possible institution of "professorships for the purpose of the delivery of lectures in various branches of learning for the acquisition of which, at any rate in an advanced degree, facilities do not now exist in other institutions in India." When Lahore and Allahabad got this privilege in 1882 and 1887, respectively, The Indians had asked for its extension to Calcutta, Bombay and Madras but European officials closely connected with the university contested it on two grounds.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्ष 1882 में एक विशेष निगमन अधिनियम द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और एक दूसरे विशेष निगमन अधिनियम द्वारा वर्ष 1887 में इलाहाबाद में पाँचवें भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। इन दो विशेष निगमन अधिनियमों का सामान्य दायरा वर्ष 1857 के अधिनियमों के समान ही था हालाँकि पंजाब और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के सीनेटों को "प्रोफेसर और लेक्चररों की नियुक्ति करने या नियुक्ति का प्रावधान करने की शक्ति दी गई" - यह विशेषाधिकार था जिसे निगमन अधिनियमों द्वारा वर्ष 1857 में कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास स्थित विश्वविद्यालयों को देने से इनकार कर दिया गया था। इन पहले तीनों विश्वविद्यालयों को जानबूझकर उसी रीति और मॉडल के आधार पर केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय बनाया गया था जैसे लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेनेवाला विश्वविद्यालय था। इसके माध्यम से इसमें 1854 के एजूकेशन डिस्पैच के एक महत्वपूर्ण सुझाव को नजरंदाज कर दिया गया था "जिसमें ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में व्याख्यान देने के उद्देश्य से प्रोफेसरशिप की संभावित संस्था का रूप देने का सुझाव दिया गया था जिन्हें उन्नत डिग्री स्तर पर किसी भी रूप में प्राप्त करने की सुविधाएँ भारत की अन्य संस्थाओं में मौजूद नहीं थी।" जब लाहौर और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों को क्रमश: 1882 और 1887 में ये विशेषाधिकार प्राप्त हो गए तो भारतीयों ने कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास विश्वविद्यालयों को भी यह विशेषाधिकार देने का अनुरोध किया था परंतु विश्वविद्यालय से घनिष्ठ रूप से जुड़े यूरोपिय अधिकारियों ने दो आधारों पर इसका विरोध किया था।

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A): When Calcutta University was established, it was also granted the power to appoint Professors and Lecturers.
Reason (R): Education Despatch of 1854 suggested the possible institution that could appoint Professors.

In light of the above statements, choose the *most appropriate* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are correct and (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is correct but (R) is not correct.
4. (A) is not correct but (R) is correct.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : जब कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी तो इसे प्रोफेसरों और प्राध्यापकों (लेक्चररों) की नियुक्ति करने की शक्ति भी दी गई थी।

तर्क (R) : वर्ष, 1854 के एजूकेशन डिस्पैच में प्रोफेसरों की नियुक्ति करने वाली संभावित संस्था का सुझाव दिया गया था।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26293] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q49**
2[Option ID=26294]
3[Option ID=26295]
4[Option ID=26296]

Sl. No.50
QBID:16201050

Read the following passage and answer the questions that follow:

In 1882 the Punjab University was established by a Special Act of Incorporation and in 1887 another Special Act of Incorporation established the fifth Indian university at Allahabad. The general framework of these two Special Acts of Incorporation was similar to the Acts of 1857 though power was given to the Senates of the Punjab and the Allahabad Universities "to appoint or provide for the appointment of Professor and Lecturers"- a privilege which was denied by the Acts of Incorporation to the first three universities at Calcutta, Bombay and Madras in 1857. The first three universities were deliberately intended to be examining universities only, in the same manner and on the same model as the then University of London. Thereby it ignored an important suggestion of the Education Despatch of 1854 which suggested possible institution of "professorships for the purpose of the delivery of lectures in various branches of learning for the acquisition of which, at any rate in an advanced degree, facilities do not now exist in other institutions in India." When Lahore and Allahabad got this privilege in 1882 and 1887, respectively, The Indians had asked for its extension to Calcutta, Bombay and Madras but European officials closely connected with the university contested it on two grounds.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्ष 1882 में एक विशेष निगमन अधिनियम द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और एक दूसरे विशेष निगमन अधिनियम द्वारा वर्ष 1887 में इलाहाबाद में पाँचवें भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। इन दो विशेष निगमन अधिनियमों का सामान्य दायरा वर्ष 1857 के अधिनियमों के समान ही था हालाँकि पंजाब और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के सीनेटों को "प्रोफेसर और लेक्चररों की नियुक्ति करने या नियुक्ति का प्रावधान करने की शक्ति दी गई" - यह विशेषाधिकार था जिसे निगमन अधिनियमों द्वारा वर्ष 1857 में कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास स्थित विश्वविद्यालयों को देने से इनकार कर दिया गया था। इन पहले तीनों विश्वविद्यालयों को जानबूझकर उसी रीति और मॉडल के आधार पर केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय बनाया गया था जैसे लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेनेवाला विश्वविद्यालय था। इसके माध्यम से इसमें 1854 के एजूकेशन डिस्पैच के एक महत्वपूर्ण सुझाव को नजरंदाज कर दिया गया था "जिसमें ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में व्याख्यान देने के उद्देश्य से प्रोफेसरशिप की संभावित संस्था का रूप देने का सुझाव दिया गया था जिन्हें उन्नत डिग्री स्तर पर किसी भी रूप में प्राप्त करने की सुविधाएँ भारत की अन्य संस्थाओं में मौजूद नहीं थी।" जब लाहौर और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों को क्रमश: 1882 और 1887 में ये विशेषाधिकार प्राप्त हो गए तो भारतीयों ने कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास विश्वविद्यालयों को भी यह विशेषाधिकार देने का अनुरोध किया था परंतु विश्वविद्यालय से घनिष्ठ रूप से जुड़े यूरोपिय अधिकारियों ने दो आधारों पर इसका विरोध किया था।

Given below are two statements:

Statement I: University of London was an examining university only.

Statement II: All suggestions of Education Despatch of 1854 were accepted when University of Madras was established.

In light of the above statements, choose the **most appropriate** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय था।

कथन - II : जब मद्रास विश्वविद्यालय की स्थापना हुई तो वर्ष 1854 के एजुकेशन डिस्पैच के सभी सुझाव स्वीकार कर लिए गए थे।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26297] **Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q50**
2[Option ID=26298]
3[Option ID=26299]
4[Option ID=26300]

Paper II : 3-Philosophy

Sl. No.1
QBID:3001

According to the *chārvākas* water flows downward because of :

1. The Law of gravitation
2. The movement of earth
3. The shape of the earth
4. The nature of water

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

चार्वाक दर्शन के अनुसार पानी अधोगामी (नीचे की ओर) बहता है :-

1. गुरुत्वाकर्षण के नियम के कारण
2. पृथ्वी की गति के कारण
3. पृथ्वी के आकार के कारण
4. पानी के स्वभाव (प्रकृति) के कारण

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25301] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q1**
2[Option ID=25302]
3[Option ID=25303]
4[Option ID=25304]

Sl. No.2
QBID:3002

According to which school *Smṛti* is a *pramāṇa*

1. *Nyāya*
2. *Mīmāṁsā*
3. *Jaina*
4. *Sāṁkhya*

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

किस संप्रदाय (मत) के अनुसार स्मृति एक प्रमाण के रूप में मान्य है?

1. न्याय
2. मीमांसा
3. जैन
4. सांख्य

(1) 1
(2) 2
(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25305] Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q2
2[Option ID=25306]
3[Option ID=25307]
4[Option ID=25308]

Sl. No.3
QBID:3003

Which type of *abhāva* is the *abhāva* of a pot on the ground at this moment according to the Vaiśeṣikas?

1. *Atyantābhāva*
2. *Prāgabhāva*
3. *Dhvaṁsābhāva*
4. *Anyonyābhāva*

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

वैशेषिकों के अनुसार इस क्षण में भूमि पर घट का अभाव किस प्रकार का अभाव है?

1. अत्यन्तभाव
2. प्रागभाव
3. ध्वंसाभाव
4. अन्योन्यभाव

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25309] Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q3
2[Option ID=25310]
3[Option ID=25311]
4[Option ID=25312]

Sl. No.4
QBID:3004

Which system holds the view that *jñāna* is intrinsically valid but its invalidity is due to extraneous conditions?

1. Sāṁkhya
2. Bauddha
3. Mīmāṁsā
4. Jaina

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नांकित किस दर्शन संप्रदाय का यह मत है कि ज्ञान स्वत: प्रमाणित होता है किंतु इसकी अप्रमाण्यता बाह्य उपाधि (अवस्था) के कारण होती है ?

1. सांख्य
2. बौद्ध
3. मीमांसा
4. जैन

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25313] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q4**
2[Option ID=25314]
3[Option ID=25315]
4[Option ID=25316]

Sl. No.5
QBID:3005

Who holds the view that the *jñāta, jñeya* and *jñāna* are simultaneously revealed in every act of cognition?

1. Kumārila
2. Prabhākara
3. Gautama
4. Kapila

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नांकित में से किसका यह मत है कि ज्ञाता, ज्ञेय एवं ज्ञान, संज्ञान के प्रत्येक व्यवहार (कार्य) में युगपद (सहकालिक रूप में) प्रकट होते हैं ?

1. कुमारिल
2. प्रभाकर
3. गौतम
4. कपिल

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25317] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q5**
2[Option ID=25318]
3[Option ID=25319]
4[Option ID=25320]

Sl. No.6
QBID:3006

By which *sannikarṣa* according to Nyāya, do we perceive the relation between a pen and its colour?

1. *Saṁyoga*
2. *Jñānalakṣaṇa*
3. *Sāmānyalakṣaṇa*
4. *Viśeṣaṇatā*

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

न्याय दर्शन के अनुसार किस सन्निकर्ष के माध्यम से हम किसी कलम एवं इसके रंग के मध्य संबंध का प्रत्यक्ष करते हैं ?

1. संयोग
2. ज्ञानलक्षण
3. सामान्यलक्षण
4. विशेषणता

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25321] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q6**
2[Option ID=25322]
3[Option ID=25323]
4[Option ID=25324]

Sl. No.7
QBID:3007

Given below are some statements. Consider them and select the code that signifies correct statements only.

A. *Asatkāryavāda* is upheld by Sāṁkhya

B. *Anvitābhidhānavāda* is upheld by Prabhākara

C. *Asatkhyātivāda* is upheld by Vasubandhu

D. *Śabdanityatvavāda* is upheld by Mīmāṁsā

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only.
2. B and D only.
3. A, B and C only.
4. A, B, C and D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे कुछ कथन दिए गए हैं। उन पर विचार कीजिए और उस कूट को चुनिए जो केवल सही कथन को निरुपित करता है

A. असत् कार्यवाद सांख्य द्वारा मान्य है।

B. अन्विताभिधानवाद प्रभाकर द्वारा मान्य है।

C. असत् ख्यातिवाद वसबन्धु द्वारा मान्य है।

D. शब्दनित्यत्ववाद मीमांसा द्वारा मान्य है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और B
2. केवल B और D
3. केवल A, B और C
4. केवल A, B, C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25325] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q7**
2[Option ID=25326]
3[Option ID=25327]
4[Option ID=25328]

Sl. No.8
QBID:3008

Which type of *hetvābhāsa* is committed by the *anumāna* : *Śabdah nityaḥ śabdatvāt*?

1. *Sādhāraṇa savyabhicāra*
2. *Asādhāraṇa savyabhicāra*
3. *Ṣvarūpāsiddha*
4. *Āśrayāsiddha*

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

अनुमान में किस प्रकार का हेत्वाभास है: शब्द: नित्य: शब्दत्वात् ?

1. साधारण सव्यभिचार
2. असाधारण सव्यभिचार
3. स्वरूपासिद्ध
4. आश्रयासिद्ध

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25329] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q8**
2[Option ID=25330]

3[Option ID=25331]
4[Option ID=25332]

Sl. No.9
QBID:3009

Which one among the following is **not** a kind of '*kleśa*' in *Pātañjali* yoga?

1. *Nidrā*
2. *Asmitā*
3. *Rāga*
4. *Dveṣa*

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से कौन एक पतंजलि के योग में 'क्लेश' का एक प्रकार **नहीं** है ?

1. निद्रा
2. अस्मिता
3. राग
4. द्वेष

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25333] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q9**
2[Option ID=25334]
3[Option ID=25335]
4[Option ID=25336]

Sl. No.10
QBID:3010

In Nyāya epistemology, we perceive a snake for a rope by :

1. *Saṁyoga sannikarṣa*
2. *Sāmānyalakṣaṇa sannikarṣa*
3. *Jñānalakṣaṇa sannikarṣa*
4. *Samavāya sannikarṣa*

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

न्याय, ज्ञानमीमांसा में निम्नांकित में से किसके द्वारा हमें किसी रज्जु में सर्प का प्रत्यक्ष होता है ?

1. संयोग सन्निकर्ष
2. सामान्यलक्षण सन्निकर्ष
3. ज्ञानलक्षण सन्निकर्ष
4. समवाय सन्निकर्ष

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25337] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q10**
2[Option ID=25338]
3[Option ID=25339]
4[Option ID=25340]

Sl. No.11
QBID:3011

Anyonyaprativimbavāda is upheld by:

1. Iśvarakṛṣṇa
2. Vijñānabhikṣu
3. Vācaspati Miśra
4. Kapil

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

अन्योन्यप्रतिबिंबवाद की मान्यता किसने दिया है ?

1. ईश्वरकृष्ण
2. विज्ञानभिक्षु
3. वाचस्पति मिश्र
4. कपिल

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25345] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q11**
2[Option ID=25346]
3[Option ID=25347]
4[Option ID=25348]

Sl. No.12
QBID:3012

By which sense-organ do we perceive external substances?

1. Visual sense-organ
2. Tactual sense-organ
3. Both visual sense-organ and tactual sense-organ
4. Visual, tactual and internal sense-organ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नांकित किस ज्ञानेन्द्रिय द्वारा हमें बाह्य द्रव्यों का अनुभव होता है ?

1. चक्षुरीन्द्रिय
2. स्पर्शेन्द्रिय
3. चक्षुरीन्द्रिय एवं स्पर्शेन्द्रिय, दोनों
4. चाक्षुष, स्पर्श एवं आंतरिक ज्ञानेन्द्रिय

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25349] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q12**
2[Option ID=25350]
3[Option ID=25351]
4[Option ID=25352]

Sl. No.13
QBID:3013

Which one is the *asamavāyikārana* of *jñāna* in Nyāya epistemology?

1. *Ātmā*
2. *Atmamanosaṁyoga*
3. *Indriyamanasaṁyoga*
4. *Ātmā-indriya saṁyoga*

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

न्याय ज्ञानमीमांसा के अनुसार कौन-सा एक ज्ञान का असमवायीकारण है ?

1. आत्मा
2. आत्ममनोसंयोग
3. इन्द्रियमनसंयोग
4. आत्मा-इन्द्रियसंयोग

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25353] Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q13
2[Option ID=25354]
3[Option ID=25355]
4[Option ID=25356]

Sl. No.14
QBID:3014

According to the Vaiśeṣikas, *kārya* is :

1. *Dhaṁsābhāva pratiyogī*
2. *Anyonyābhāva pratiyogī*
3. *Atyantābhāvā pratiyogī*
4. *Prāgabhāva pratiyogī*

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

वैशेषिक मतानुयायियों के अनुसार कार्य है :

1. ध्वंसाभाव प्रतियोगी
2. अन्योन्याभाव प्रतियोगी
3. अत्यन्ताभाव प्रतियोगी
4. प्रागभाव प्रतियोगी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25357] Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q14
2[Option ID=25358]
3[Option ID=25359]
4[Option ID=25360]

Sl. No.15
QBID:3015

Which among the following runs under the guidance of *ṛta*?

A. Courses of natural phenomena

B. Alteration of day and night

C. Domain of human behaviour

D. Regular movements of rivers

Choose the correct answer from the options given below:

1. A only.
2. A and B only.
3. A, B and C only.
4. A, B, C and D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से कौन-सा ऋत के निर्देशन के अंतर्गत संचालित होता है ?

A. नैसर्गिक परिघटनाओं का पथ

B. दिन और रात का विकल्पन

C. मानव व्यवहार का अनुक्षेत्र

D. नदियों का नियमित संचलन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A
2. केवल A और B
3. केवल A, B और C
4. A, B, C और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25361] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q15**
2[Option ID=25362]
3[Option ID=25363]
4[Option ID=25364]

Sl. No.16
QBID:3016

Which *dharma*/s among the following is/are NOT *jāti* in Vaiśeṣika metaphysics?

A. *Ākāśatva*

B. *Gotva*

C. *Dravyatva*

D. *Udbhutatva*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A only.
2. B and C only.
3. A and C only.
4. A and D only.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

वैशेषिक तत्त्वमीमांसा में निम्नलिखित में से कौन-सा/ से धर्म जाति नहीं है/ हैं ?

A. आकाशत्व

B. गोत्व

C. द्रव्यत्व

D. उद्भूतत्त्व

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A
2. केवल B और C
3. केवल A और C
4. केवल A और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25365] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q16**
2[Option ID=25366]
3[Option ID=25367]
4[Option ID=25368]

Sl. No.17
QBID:3017

Which among the following is/ are means of *Śaktigraha*?

A. *Āptavākya*

B. *Tātparya*

C. *Vṛdhavyavahāra*

D. *Tarka*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only.
2. A and C only.
3. A only.
4. A, B and D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित में से शक्तिग्रह का आशय कौन-सा है?

A. आप्तवाक्य

B. तात्पर्य

C. वृद्धव्यवहार

D. तर्क

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और B
2. केवल A और C
3. केवल A
4. केवल A, B और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25369] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q17**
2[Option ID=25370]
3[Option ID=25371]
4[Option ID=25372]

Sl. No.18
QBID:3018

According to Rāmānuja, *Apṛthak Siddhi* is a relation between :

A. Brahman and *jīva* only

B. Brahman and *jagat* only

C. Brahman and *jīva* and Brahman and *jagat* only

D. Jīva and *jagat* only

Choose the correct answer from the options given below:

1. A only.
2. B only.
3. C only.
4. D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

रामानुज के अनुसार, किसके मध्य अपृथक् सिद्धि का संबंध होता है?

A. केवल ब्रह्म एवं जीव में

B. केवल ब्रह्म एवं जगत में

C. केवल ब्रह्म और जीव एवं ब्रह्म और जगत में

D. केवल जीव एवं जगत में

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A
2. केवल B
3. केवल C
4. केवल D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25373] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q18**
2[Option ID=25374]
3[Option ID=25375]
4[Option ID=25376]

Sl. No.19
QBID:3019

In Pūrva Mīmāṁsa, the point of difference between the Kumārila and the Prābhākara Schools is, with regard to :

1. Authority of the Vedas
2. Intrinsic nature of knowledge
3. Nature of *Vidhi*
4. *Khyātivāda*

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

पूर्व मीमांसा में, निम्नांकित में से किसके संबंध में, कुमारिल एवं प्रभाकर संप्रदायों (शाखाओं) के मध्य भिन्नता है?

1. वेदों की सत्ता
2. ज्ञान की स्वत: प्रमाण्यता
3. विधि की प्रकृति
4. ख्यातिवाद

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25377] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q19**
2[Option ID=25378]
3[Option ID=25379]
4[Option ID=25380]

Sl. No.20
QBID:3020

Match **List I** with **List II**

List I	**List II**
A. *Caitanya* is the guṇa of the self	I. Vedānta
B. *Caitanya* is an *āgantuka guṇa* of the self	II. Nyāya
C. *Caitanya* is bliss	III. Jaina
D. *Caitanya* is epiphenomenon	IV. Chārvāka

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - III, B - II, C - I, D - IV
2. A - I, B - III, C - II, D - IV
3. A - II, B - III, C - I, D - IV
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. चैतन्य आत्मा का गुण है।	I. वेदांत
B. चैतन्य आत्मा का आगन्तुक गुण है।	II. न्याय
C. चैतन्य आनन्द है।	III. जैन
D. चैतन्य अनघटना (प्रतिफलन) है।	IV. चार्वाक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - III , B - II , C - I, D - IV
2. A - I, B - III, C - II, D - IV
3. A - II, B - III, C - I, D - IV
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25381] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q20**
2[Option ID=25382]
3[Option ID=25383]
4[Option ID=25384]

Sl. No.21
QBID:3021

Write the correct sequence with reference to the states of experience:

A. *Prājña*

B. *Advaita*

C. *Taijasa*

D. *Vaiśwānara*

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B, C, D
2. D, C, A, B
3. B, A, D, C
4. C, D, B, A

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

अनुभव की अवस्थाओं के सन्दर्भ में सही अनुक्रम चुनिए :

A. प्रज्ञा

B. अद्वैत

C. तेजस

D. वैश्वानर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. A, B, C, D
2. D, C, A, B
3. B, A, D, C
4. C, D, B, A

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25385] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q21**
2[Option ID=25386]
3[Option ID=25387]
4[Option ID=25388]

Sl. No.22
QBID:3022

"To say that there could be *nirguṇa* Brahman is like the dumb saying that he is dumb". Whose saying is this?

1. Rāmānujāchārya
2. Śaṁkarāchārya
3. Madhvāchārya
4. Vācaspati Miśra

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

"यह कहना कि निर्गुण ब्रह्म हो सकता है, यह उक्ति गूंगे के उस कथन के समान है कि वह गूंगा है।"

यह किसकी उक्ति है?

1. रामानुजाचार्य
2. शंकराचार्य
3. मध्वाचार्य
4. वाचस्पति मिश्र

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25389] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q22**

2[Option ID=25390]
3[Option ID=25391]
4[Option ID=25392]

Sl. No.23
QBID:3023

According to whom God (*Iśvara*) is the cause of bondage as well as the liberation of the individual self?

1. Śaṁkarāchārya
2. Madhvāchārya
3. Kanāda
4. Mahāvīra

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित किसके अनुसार किसी व्यक्ति के बंधन एवं मोक्ष का कारण ईश्वर है?

1. शंकराचार्य
2. मध्वाचार्य
3. कणाद
4. महावीर

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25393] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q23**
2[Option ID=25394]
3[Option ID=25395]
4[Option ID=25396]

Sl. No.24
QBID:3024

The distinction between *Svarūpa jñāna* and *Vṛtti jñāna* is drawn by:

1. Kumārila Bhatt
2. Śaṁkarāchārya
3. Prabhākara
4. Madhvāchārya

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

स्वरूप ज्ञान एवं वृत्ति ज्ञान के मध्य विभेद निम्नांकित किसके द्वारा किया गया है?

1. कुमारिल भट्ट
2. शंकराचार्य
3. प्रभाकर
4. मध्वाचार्य

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25397] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q24**
2[Option ID=25398]
3[Option ID=25399]
4[Option ID=25400]

Sl. No.25
QBID:3025

Which one of the following pairs does not constitute the spiritual wealth, according to Advaita Vedānta?

1. *Śama* and *dama*
2. *Uparati* and *titikṣā*
3. *Samādhāna* and *Śraddhā*
4. *Avidyā* and *Māyā*

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

अद्वैत वेदान्त के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म आध्यात्मिक प्रचुरता (संपदा) को संस्थापित नहीं करता है?

1. शम एवं दम
2. उपरति एवं तितिक्षा
3. समाधान एवं श्रद्धा
4. अविद्या एवं माया

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25401] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q25**
2[Option ID=25402]
3[Option ID=25403]
4[Option ID=25404]

Sl. No.26
QBID:3026

According to Leibniz what is true of the following?

A. Earthquake is an evil

B. Epidemic is an evil

C. Evil has a place in the total scheme of things created by God

D. This world is the best of all the possible worlds

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A only.
2. B only.
3. C only.
4. C and D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

लाइबनिज के अनुसार निम्नांकित में से क्या सही है ?

A. भूकंप अशुभ होता है

B. महामारी अशुभ होता है

C. ईश्वर द्वारा सृजित समस्त सृष्टि में अशुभ का स्थान है।

D. यह जगत सभी संभाव्य जगतों में सर्वोत्तम है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A
2. केवल B
3. केवल C
4. केवल C और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25405] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q26**
2[Option ID=25406]
3[Option ID=25407]
4[Option ID=25408]

Sl. No.27
QBID:3027

'One idea cannot perceive another idea. Therefore there should be a Self which perceives ideas'

This is applicable to:

1. R. Descartes
2. G. Berkeley
3. Hume David
4. Berkeley and Hume

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

'एक प्रत्यय से दूसरे प्रत्यय का प्रत्यक्षण नहीं हो सकता है। इसलिए प्रत्यय के प्रत्यक्षण के लिए कोई आत्मा होनी चाहिए।'

यह निम्नांकित में से किसके लिए प्रयोज्य है ?

1. रेने डेकार्त
2. बर्कले जी.
3. ह्यूम डेविड
4. बर्कले और ह्यूम

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25409] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q27**
2[Option ID=25410]
3[Option ID=25411]
4[Option ID=25412]

Sl. No.28
QBID:3028

'It is necessary to regard unperceived substratum as the support of qualities'. Whose view is this?

1. R. Descartes
2. J. Locke
3. Locke and Berkeley
4. Locke and Hume

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

'अप्रत्यक्षित उपस्तर को गुणों का सहायक मानना आवश्यक है। यह किसका मत है'?

1. रेने डेकार्त
2. जॉन लॉक
3. लॉक और बर्कले
4. लॉक और ह्यूम

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25413]
2[Option ID=25414]
3[Option ID=25415]
4[Option ID=25416]

Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q28

Sl. No.29
QBID:3029

'There are secondary qualities like colour, odour, sound, taste etc. we are aware of them only through a particular sense organ'. This is the view of :

1. Berkeley
2. Locke
3. Spinoza
4. Berkeley and Locke

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

"वर्ण, गंध, ध्वनि, स्वाद, इत्यादि" कतिपय द्वितीयक गुण होते हैं। हमें किसी इन्द्रिय विशेष के माध्यम से ही इसके बारे में पता चलता है।" यह निम्नांकित मे से किसका मत है ?

1. जॉर्ज बर्कले
2. जॉन लॉक
3. बारुश स्पिनोजा
4. जॉर्ज बर्कले और जॉन लॉक

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25417]
2[Option ID=25418]
3[Option ID=25419]
4[Option ID=25420]

Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q29

Sl. No.30
QBID:3030

'Oak tree is potentially there in the Oak seed. Under favourable circumstances it becomes actual'. This view is held by whom?

1. Plato
2. Socrates
3. Aristotle
4. Plato and Aristotle

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

'वंजुल वृक्ष संभवत: वंजुल के बीज में होता है, अनुकूल परिस्थिति में यह वास्तविक हो जाता है।' यह किसका मत है:

1. प्लेटो
2. सुकरात
3. अरस्तु
4. प्लेटो और अरस्तु

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25421] Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q30
2[Option ID=25422]
3[Option ID=25423]
4[Option ID=25424]

Sl. No.31
QBID:3031

Match **List I** with **List II**

List I	List II
A. Pythagoras	I. Being
B. Parmenides	II. Number
C. Heraclitus	III. Doctrine of four elements
D. Empedocles	IV. Fire

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - III, B - IV, C - I, D - II
2. A - IV, B - III, C - II, D - I
3. A - II, B - I, C - IV, D - III
4. A - I, B - II, C - III, D - IV

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. पायथागोरस	I. अस्तित्व
B. पारमेनिड्स	II. संख्या
C. हेरैक्लिटस	III. चार तत्वों का सिद्धांत
D. एम्पेडोकल्स	IV. अग्नि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - III , B - IV , C - I, D - II
2. A - IV , B - III , C - II, D -I
3. A - II , B - I , C - IV, D -III
4. A - I , B - II , C - III, D - IV

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25425] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q31**
2[Option ID=25426]
3[Option ID=25427]
4[Option ID=25428]

Sl. No.32
QBID:3032

The doctrine of parallelism of attributes, as a solution to the problem of evil, is advocated by:

1. Leibniz
2. Baruch Spinoza
3. Rene Descartes
4. George Berkeley

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित में से कौन अशुभ समस्या के हल के रूप में गुणों की संवादिता सिद्धांत के पक्षधर हैं?

1. लाइबनिज
2. स्पिनोजा
3. डेकार्त
4. बर्कले

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25429] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q32**
2[Option ID=25430]
3[Option ID=25431]
4[Option ID=25432]

Sl. No.33
QBID:3033

"Numbers are the primary causes of things," who holds this view?

1. Heraclitus
2. Parmenides
3. Thales
4. Pythagoras

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

"संख्याएं वस्तुओ का प्राथमिक कारक हैं।" यह किसका मत है:

1. हेराक्लिटस
2. पारमेनिड़स
3. थेल्स
4. पायथागोरस

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25433] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q33**
2[Option ID=25434]
3[Option ID=25435]
4[Option ID=25436]

Sl. No.34
QBID:3034

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A): Monads are neither influence nor be influenced

Reason (R): Monads are windowless

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A.
2. Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A.
3. A is true but R is false.
4. A is false but R is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : चिदणु न तो प्रभावित करते हैं न तो प्रभावित होते हैं।

तर्क (R) :चिदणु गवाक्षरहित होते हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं हैं।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही हैं।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25437] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q34**
2[Option ID=25438]
3[Option ID=25439]
4[Option ID=25440]

Sl. No.35
QBID:3035

Who among the following ascribed Nous for the first time in Greek Philosophy?

1. Heraclitus
2. Anaxagoras
3. Empedocles
4. Thales

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

युनानी दर्शन में सर्वप्रथम 'नोउस' का श्रेय निम्नांकित में से किसे जाता है:

1. हेराक्लिटस
2. एनेक्जागोरस
3. एम्पेडोकल्स
4. थेल्स

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25441] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q35**
2[Option ID=25442]
3[Option ID=25443]
4[Option ID=25444]

Sl. No.36
QBID:3036

What is incorrect as far as St. Anselm is concerned?

1. St. Anselm is opposed to nominalism
2. St. Anselm is Supporter of Scholastic Realism
3. St. Anselm is known for his celebrated proofs for the existence of God
4. St. Anselm fails to rationalise the faith

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सेंट एंसेल्स के संबंध में क्या गलत है?

1. सेंट एंसेल्स नामनिर्देशन के विरुद्ध हैं।
2. सेंट एंसेल्स विद्वत्तापरक वास्तविकतावाद के समर्थक हैं।
3. सेंट एंसेल्स ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए अपने बहुचर्चित प्रमाण के लिए प्रख्यात हैं।
4. सेंट एंसेल्स आस्था को युक्तियुक्त बनाने में असफल हैं।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25445] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q36**
2[Option ID=25446]
3[Option ID=25447]
4[Option ID=25448]

Sl. No.37
QBID:3037

Match **List I** with **List II**

List I	**List II**
A. Rene Descartes	I. Pre-established harmony
B. BaruchSpinoza	II. Representative Theory of Perception
C. Leibniz	III. Mind-body dualism
D. John Locke	IV. Parallelism of attributes

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - IV, B - III, C - II, D - I
2. A - III, B - IV, C - I, D - II
3. A - I, B - II, C - III, D - IV
4. A - II, B - I, C - III, D - IV

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. रेने डेकार्त	I. पूर्व स्थापित सामंजस्य
B. बारुश स्पिनोजा	II. प्रत्यक्षण का प्रतिनिधात्मक सिद्धांत
C. लाइबनिज	III. मनस-काया द्वैतवाद
D. जॉन लॉक	IV. गुणों का समानांतरण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - IV, B - III, C - II, D - I
2. A - III, B - IV, C - I, D - II
3. A - I , B - II , C - III, D - IV
4. A - II, B - I, C - III, D - IV

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25449] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q37**
2[Option ID=25450]
3[Option ID=25451]
4[Option ID=25452]

Sl. No.38
QBID:3038

What is acceptable to Leibnitz?

1. Monads are mathematical points
2. Monads are physical points
3. Monads are centres of force
4. Monads are inactive

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

लाइबनित्ज को निम्नांकित में से क्या स्वीकार्य है?

1. चिदणु गणितीय बिन्दु हैं।
2. चिदणु भौतिक बिन्दु हैं।
3. चिदणु बल के केन्द्र हैं।
4. चिदणु निष्क्रिय होते हैं।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25453] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q38**
2[Option ID=25454]
3[Option ID=25455]
4[Option ID=25456]

Sl. No.39
QBID:3039

Match **List I** with **List II**

List I	**List II**
A. David Hume	I. Immaterialism
B. Immanuel Kant	II. Refutation of innate ideas
C. John Locke	III. Scepticism
D. George Berkeley	IV. Critical Philosophy

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - IV, B - III, C - I, D - II
2. A - III, B - IV, C - II, D - I
3. A - I, B - II, C - III, D - IV
4. A - II, B - I, C - IV, D - III

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. डेविड ह्यूम	I. अभौतिकवाद
B. काण्ट	II. अन्तर्जात प्रत्यय का अस्वीकरण
C. जॉन लॉक	III. संशयवाद
D. जॉर्ज बर्कले	IV. आलोचनात्मक दर्शन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - IV, B - III, C - I, D - II
2. A - III, B - IV, C - II, D - I
3. A - I , B - II , C - III, D - IV
4. A - II, B - I, C - IV, D - III

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25457] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q39**
2[Option ID=25458]
3[Option ID=25459]
4[Option ID=25460]

Sl. No.40
QBID:3040

Match **List I** with **List II**

List I	List II
A. Plato	I. Knowledge is impossible
B. Aristotle	II. All ideas are timeless and spaceless
C. Socrates	III. God is pure form
D. Gorgias	IV. All knowledge is conceptual

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - III, B - II, C - I, D - IV
2. A - II, B - III, C - IV, D - I
3. A - III, B - II, C - I, D - IV
4. A - I, B - IV, C - II, D - III

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. प्लेटो	I. ज्ञान असंभव है।
B. अरस्तु	II. सभी प्रत्यय काल निरपेक्ष और स्थान निरपेक्ष होते है।
C. सुकरात	III. ईश्वर विशुद्ध स्वरूप है।
D. गॉर्जियस	IV. सभी ज्ञान संकल्पनात्मक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - III , B - II , C - I, D - IV
2. A - II, B - III, C - IV, D - I
3. A - III, B - II, C - I, D - IV
4. A - I, B - IV, C - II, D - III

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25461] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q40**
2[Option ID=25462]
3[Option ID=25463]
4[Option ID=25464]

Sl. No.41
QBID:3041

What is common to all the Rationalists?

1. Acceptance of Matter
2. Reason and Reason alone is the source of all philosophical knowledge
3. Acceptance of causal relation
4. Acceptance of Doubt as the source of knowledge

(1) 1
(2) 2

(3) 3

(4) 4

सभी बुद्धिवादियों में क्या सामान्य है?

1. पदार्थ की स्वीकृति
2. तर्क और केवल तर्क सभी दार्शनिक ज्ञान के स्त्रोत है।
3. कारक संबंध की स्वीकृति
4. संदेह की ज्ञान के स्त्रोत के रुप मे स्वीकृति

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25465] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q41**
2[Option ID=25466]
3[Option ID=25467]
4[Option ID=25468]

Sl. No.42
QBID:3042

What is Not acceptable to Hume?

1. Sensationalism
2. Refutation of Causal relation
3. Scepticism
4. Mind is a substratum of ideas

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

ह्यूम को निम्नांकित में से क्या स्वीकार्य नहीं हैं?

1. संवेदनवाद
2. कारक संबंध की अस्वीकृति
3. संशयवाद
4. मनस प्रत्यय का उपस्तर है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25469] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q42**
2[Option ID=25470]
3[Option ID=25471]
4[Option ID=25472]

Sl. No.43
QBID:3043

What is not conducive to Kant?

1. Agnostic attitude towards the Noumenon
2. *Apriori Synthetic Knowledge* is a possibility
3. Adducing Moral argument for the existence of God
4. Space and Time are transcendentally real

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित में से क्या काण्ट के लिए सहायक नहीं है:

1. परमार्थ के प्रति अज्ञेयवारी अभिवृत्ति
2. प्रागनुभविक संश्लेषणात्मक ज्ञान एक संभावना हैं।
3. ईश्वर के अस्तित्व के निमित्त नैतिक युक्ति का योग
4. स्थान और काल अतीन्द्रिय वास्तविकता हैं।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25473] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q43**
2[Option ID=25474]
3[Option ID=25475]
4[Option ID=25476]

Sl. No.44
QBID:3044

What is Not accpetable to Descartes?

A. Mind and Matter are the two distinct substances

B. Mind has thought as its quality

C. Mind is internal

D. God is the only substance

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and B only.
2. B and C only.
3. C and D only.
4. D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

डेकार्त को निम्नांकित में से क्या स्वीकार्य नहीं हैं?

A. मनस और पदार्थ दो भिन्न द्रव्य हैं।

B. मनस में गुण के रुप मे विचार निहित होता है।

C. मनस अभ्यांतरिक अवयव होता है।

D. ईश्वर एकमात्र द्रव्य है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल C और D
4. केवल D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25477] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q44**
2[Option ID=25478]
3[Option ID=25479]
4[Option ID=25480]

Sl. No.45
QBID:3045

Mark what is incompatible with Spinoza?

1. Modes are apparent
2. Modes are temporal
3. Modes entirely depend on substance
4. Modes are thoughts only, not things

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

स्पिनोजा के मत से असंगत कथन कि पहचान कीजिए

1. पर्याय आभासी होते हैं।
2. पर्याय कालिक होते हैं।
3. पर्याय पूरी तरह द्रव्य पर निर्भर होते हैं।
4. पर्याय केवल विचार होते हैं न कि वस्तुएं।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25481] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q45**
2[Option ID=25482]
3[Option ID=25483]
4[Option ID=25484]

Sl. No.46
QBID:3046

Which one of the following is approved by Kant?

1. Space and Time are *a priori* forms of perception
2. Space and Time are *a posteriori* forms of perception
3. Space and Time are empirically ideal
4. Space and Time are transcendentally real

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

काण्ट ने निम्नांकित में से किसे अनुमोदित किया है:

1. स्थान और काल अवबोध के प्रागनुभविक रूप हैं।
2. स्थान और काल अवबोध के अनुभव आधारित रूप हैं।
3. स्थान और काल इन्द्रियानुभविक आदर्श हैं।
4. स्थान और काल अतीन्द्रिय रूप से वास्तविक हैं।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25485] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q46**
2[Option ID=25486]
3[Option ID=25487]
4[Option ID=25488]

Sl. No.47
QBID:3047

According to Kant, which one of the following is the foundation of Ethics?

1. Liberty
2. Freewill
3. Action
4. Reason

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

काण्ट के अनुसार निम्नांकित में से नितिशास्त्र की नींव क्या हैं:

1. स्वतंत्रता
2. स्वतंत्रइच्छा
3. कर्म
4. तर्कबुद्धि

(1) 1
(2) 2
(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25489] Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q47
2[Option ID=25490]
3[Option ID=25491]
4[Option ID=25492]

Sl. No.48
QBID:3048

Mark what is acceptable to Berkeley

A. There are Simple ideas

B. Ideas are only names

C. There are abstract ideas

D. There is no matter

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A only.
2. A and B only.
3. B and C only.
4. A, B and D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित में से बर्कले के स्वीकार्य कथनों की पहचान कीजिए :

A. सामान्य प्रत्यय होते हैं।

B. प्रत्यय केवल नाम हैं।

C. अमूर्त प्रत्यय होते हैं।

D. कोई पदार्थ नहीं होता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A
2. केवल A और B
3. केवल B और C
4. केवल A, B और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25493] Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q48
2[Option ID=25494]
3[Option ID=25495]
4[Option ID=25496]

Sl. No.49
QBID:3049

'If one event is immediately succeeded by another event, it is usual though wrong, to take the first event as the cause of the second event.' This is the view of:

A. Kant

B. Locke

C. Berkeley

D. Hume

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A only.
2. A and B only.
3. B and D only.
4. D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

यदि किसी घटना के तत्काल बाद दूसरी घटना होती है तो सामान्यतया पहली घटना को दूसरी घटना का कारण माना जाता है, यद्यपि यह गलत है। यह किसका मत है:

A. काण्ट

B. लॉक

C. बर्कले

D. ह्यूम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A
2. केवल A और B
3. केवल B और D
4. केवल D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25497]
2[Option ID=25498]
3[Option ID=25499]
4[Option ID=25500]

Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q49

Sl. No.50
QBID:3050

According to Spinoza what is true? Mark the correct answer.

A. Man is free

B. All ideas of Man are already determined by God

C. All the events of the world are already determined by God

D. Man is a psycho-physical entity

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A only.
2. A and B only.
3. A and C only.
4. B, C and D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

स्पिनोजा के अनुसार निम्नांकित में से क्या सही है? सही उत्तर को चिह्नित कीजिए।

A. मनुष्य स्वतंत्र है

B. मनुष्य के सभी प्रत्यय ईश्वर द्वारा पूर्व-अवधारित होते हैं।

C. सृष्टि के सभी कर्म ईश्वर द्वारा पूर्व अवधारित होते हैं।

D. मनुष्य की मनोभौतिक सत्ता है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A
2. केवल A और B
3. केवल A और C
4. केवल B, C और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25501] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q50**
2[Option ID=25502]
3[Option ID=25503]
4[Option ID=25504]

Sl. No.51
QBID:3051

According to Kant, moral laws are:

1. *A priori* based on reason
2. *A priori* based on emotion
3. *A posteriori* based on reason
4. *A posteriori* based on emotion

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

काण्ट के अनुसार नैतिक नियम हैं :

1. तर्कबुद्धि पर आधारित प्रागनुभविक
2. संवेग आधारित प्रागनुभविक
3. तर्कबुद्धि पर आधारित अनुभवाश्रित
4. संवेग पर आधारित अनुभवाश्रित

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25505] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q51**
2[Option ID=25506]
3[Option ID=25507]
4[Option ID=25508]

Sl. No.52
QBID:3052

Match **List I** with **List II**

List I	**List II**
A. Sidgwik	I. Man is a law to himself.
B. Butler	II. The impulse towards pleasure, if too predominant, defeats its own aim.
C. Jacoby	III. Duty and self-interest are the only two motives of actions.
D. Kant	IV. The law is made for the sake of man and not man for the sake of the law

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - ii, B - i, C - iv, D - iii
2. A - i, B - ii, C - iv, D - iii
3. A - iv, B - i, C - iii, D - ii
4. A - iii, B - iv, C - ii, D - i

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. सिजविक	I. मानव स्वयं के लिए नियम है।
B. बटलर	II. यदि सुखानुभूति का आवेग अत्यधिक प्रबल हो जाता है तो यह अपने स्वयं के लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाता है।
C. जैकोबी	III. कर्तव्य और स्व-हित ही केवल कर्म के दो प्रेरक हैं।
D. काण्ट	IV. नियम का निर्माण मनुष्य के निमित्त होता है न कि नियम के निमित्त मनुष्य का निर्माण।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - II, B - I, C - IV, D - III
2. A - I, B - II, C - IV, D - III
3. A - IV, B - I, C - III, D - II
4. A - III, B - IV, C - II, D - I

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25509] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q52**
2[Option ID=25510]
3[Option ID=25511]
4[Option ID=25512]

Sl. No.53
QBID:3053

'What is beautiful, is harmonious and proportionable; what is harmonious and proportionable is true; and what is beautiful and true is agreeable and good' is the view held by:

1. Shaftsbury
2. Martineau
3. Cudworth
4. Bradley

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

"जो सुंदर है वह समरस और समानुपाती होता है; जो समरस और समानुपाती है वह सत्य है; और जो सुंदर और सत्य है, वह स्वीकार्य और शुभ है"। यह निम्नांकित में से किसका मत है:

1. शैफ्ट्सबरी
2. मार्टीन्यू
3. कुडवर्थ
4. ब्रैडले

(1) 1
(2) 2
(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25513]
2[Option ID=25514]
3[Option ID=25515]
4[Option ID=25516]

Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q53

Sl. No.54
QBID:3054

Who among the following holds this view that 'feeling of pleasure and pain' alone are motives of action?

1. Kant
2. Martineau
3. Bain
4. Bradley

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित में से किसका मत है कि "सुख और दु:ख की अनुभूति ही कर्म के प्रेरक हैं"?

1. काण्ट
2. मार्टिन्यू
3. बेन
4. ब्रैडले

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25517]
2[Option ID=25518]
3[Option ID=25519]
4[Option ID=25520]

Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q54

Sl. No.55
QBID:3055

Select the correct code containing three Kantion postulates of morality:

1. Freedom, Will, Intution
2. Freedom, God, Immortality
3. Knowledge, Action and Emotion
4. Necessity, Category, Sensibility

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नैतिकता के संदर्भ में काण्ट के तीन आधार तत्वों से सम्बन्धित सही कूट का चयन कीजिए :

1. स्वतंत्रता, संकल्प, अंत:प्रज्ञा
2. स्वतंत्रता, ईश्वर, अमरत्व
3. ज्ञान, कर्म और संवेग
4. आवश्यकता, कोटि, संवेदन ग्राहिता

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25521] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q55**
2[Option ID=25522]
3[Option ID=25523]
4[Option ID=25524]

Sl. No.56
QBID:3056

Which one of the following is not consistent with the means of '*Nirvana*' in Buddhism?

1. *Ragamayi Prajna*
2. *Bhavanamayi Prajna*
3. *Cintamayi Prajna*
4. *Srutamayi Prajna*

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

बौद्ध धर्म के निम्नांकित में से क्या 'निर्वाण' के साधन के साथ संगत नहीं है:

1. रागमयी प्रज्ञा
2. भावनामयी प्रज्ञा
3. चिंतामयी प्रज्ञा
4. श्रुतमयी प्रज्ञा

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25525] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q56**
2[Option ID=25526]
3[Option ID=25527]
4[Option ID=25528]

Sl. No.57
QBID:3057

'Anāsaktakarma' according to Srimad Bhagvadgitā means:

1. Renunciation of Karma
2. Renunciation of Akarma
3. Renunciation of Vikarma
4. Renunciation within the Karma

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

भगवदगीता के अनुसार 'अनासक्त कर्म' से अभिप्रेत है :

1. कर्म का परित्याग
2. अकर्म का परित्याग
3. विकर्म का परित्याग
4. कर्म के भीतर परित्याग

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25529] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q57**
2[Option ID=25530]
3[Option ID=25531]
4[Option ID=25532]

Sl. No.58
QBID:3058

Which one of the following holds this view that 'Evil is not good but it is good that there is evil' ?

1. Augustine
2. Aquinas
3. Anselm
4. Zeno

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित में से किसका मत है कि "अशुभ शुभ नहीं है, किन्तु यह शुभ है कि अशुभ है।"

1. ऑगस्टाइन
2. एक्यूनास
3. एंसेल्स
4. ज़ेनो

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25533]
2[Option ID=25534]
3[Option ID=25535]
4[Option ID=25536]

Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q58

Sl. No.59
QBID:3059

Which one of the following is not true about '*adṛsta*'?

1. It is stock of the merit and demerits of actions
2. It is non conscious
3. It is an unseen power
4. It is intelligent and does not need the guidance of God

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

'अद्रष्ट' के संबंध में निम्नांकित में से क्या सही नहीं है :

1. यह कर्म के गुण दोष का संचय है।
2. यह चेतना रहित है।
3. यह अदृश्य शक्ति है।
4. यह प्रबुद्ध है और इसे ईश्वर के मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25537]
2[Option ID=25538]
3[Option ID=25539]
4[Option ID=25540]

Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q59

Sl. No.60
QBID:3060

Which one of the following is not the aim of 'Trusteeship' of Gandhi?

1. Elimination of the difference between capital & labour
2. Providing opportunity to an individual to rise
3. Promoting love and sacrifice among people
4. Depriving the priviledged class of their wealth

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित मे से क्या गांधी की 'न्यासिता' का लक्ष्य नहीं है?

1. पूंजी और श्रम के मध्य विभेद का विलोपन
2. व्यक्ति को प्रगति का अवसर उपलब्ध कराना
3. लोगों में प्रेम और त्याग का संवर्धन
4. सुविधा संपन्न वर्ग को उनके धन से वंचित रखना

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25541] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q60**
2[Option ID=25542]
3[Option ID=25543]
4[Option ID=25544]

Sl. No.61
QBID:3061

Who among the following has advocated that "Yoga is the outflowing of the Divine in collective humanity."

1. Sri Aurobindo
2. Swami Dayananda Saraswati
3. Shri Narayana Guru
4. Thiruvalluvar

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नांकित में से किनका कथन है कि 'योग मानव समूह में समग्र रूप से दिव्यता का उत्प्रवाह है' ?

1. श्री अरविन्द
2. स्वामी दयानन्द सरस्वती
3. श्री नारायण गुरु
4. थिरुवल्लूवर

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25545] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q61**
2[Option ID=25546]
3[Option ID=25547]
4[Option ID=25548]

Sl. No.62
QBID:3062

Match **List I** with **List II**

List I	**List II**
A. Tagore	I. God is neither outside nature nor inside nature but God, Nature, soul and universe are all convertible terms.
B. Radhakrishnan	II. The test of love is *tapasya* and *tapasya* is self suffering.
C. Vivekananda	III. The infinite and finite are one as song and singing are one
D. Gandhi	IV. Religion is not a creed or a code, but an insight into reality.

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - i, B - ii, C - iv, D - iii
2. A - iii, B - iv, C - i, D - ii
3. A - ii, B - iv, C - iii, D - i
4. A - iv, B - i, C - iii, D - ii

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. टैगोर	I. ईश्वर न तो प्रकृति के बाहर है न ही प्रकृति के भीतर किन्तु ईश्वर, प्रकृति, आत्मा और ब्रह्मांड सभी परिवर्तनीय पद हैं।
B. राधाकृष्णन	II. प्रेम की परीक्षा तपस्या है और तपस्या स्वयं को कष्ट देना है।
C. विवेकानंद	III. अपरिमित और परिमित दोनों एक समान हैं जैसे गीत और गायन एक समान हैं।
D. गांधी	IV. धर्म, पंथ या आचार संहिता नहीं है बल्कि वास्तविकता की अंतर्दृष्टि है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I, B - II, C - IV, D - III
2. A - III, B - IV, C - I, D - II
3. A - II, B - IV, C - III, D - I
4. A - IV, B - I, C - III, D - II

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25549] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q62**
2[Option ID=25550]
3[Option ID=25551]
4[Option ID=25552]

Sl. No.63
QBID:3063

Who among the following defines the Absolute as 'What is free from implicational dualism of content and consiousness'?

1. J. Krishnamurti
2. M.N. Roy
3. Narayana Guru
4. K.C. Bhattacharya

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित में से किसने परमतत्व की परिभाषा देते हुए कहा है कि "जो आपदनरूप द्वैत से मुक्त है।"

1. जे. कृष्णमूर्ति
2. एम. एन. राय
3. नारायण गुरु
4. के. सी. भट्टाचार्य

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25553]
2[Option ID=25554]
3[Option ID=25555]
4[Option ID=25556]

Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q63

Sl. No.64
QBID:3064

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) considering in the light of Sri Aurobindo's concept of absolute.

Assertion (A) : Absolute is not all inclusive whole.

Reason (R) : World is full of diversities.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is true but (R) is false.
4. (A) is false but (R) is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

श्री अरविंद की परमतत्व की संकल्पना के आलोक में विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : परमतत्व सर्वसमावेशी पूर्ण ब्रह्म नहीं है।

तर्क (R) : विश्व विविधताओं से परिपूर्ण है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
2. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है।
4. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25557] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q64**
2[Option ID=25558]
3[Option ID=25559]
4[Option ID=25560]

Sl. No.65
QBID:3065

Match **List I** with **List II**

List I	List II
A. Liberal feminism	I. Charles Fourier
B. Radical feminism	II. Mary Wollstonecraft
C. Socialist feminism	III. Friedrich Engels
D. Marxist feminism	IV. Shulamith Firestone

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - ii, B - iv, C - i, D - iii
2. A - i, B - ii, C - iv, D - iii
3. A - iv, B - i, C - iii, D - ii
4. A - ii, B - iv, C - iii, D - i

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. उदार नारीवाद	I. चार्ल्स फॉरियर
B. कट्टर नारीवाद	II. मैरी वॉल्स्टोनक्राफ्ट
C. समाजवादी नारीवाद	III. फ्रेडरिक एंजेल्स
D. मार्क्सवादी नारीवाद	IV. शुलामिथ फायरस्टोन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - II , B - IV , C - I, D - III
2. A - I, B - II, C - IV, D - III
3. A - IV, B - I, C - III, D - II
4. A - II, B - IV, C - III, D - I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25561] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q65**
2[Option ID=25562]
3[Option ID=25563]
4[Option ID=25564]

Sl. No.66
QBID:3066

"The severity of punishment should be directly proportional to the seriousness of the crime." With which Theory of Punishment is this statement is associated?

1. Deterrent theory
2. Retributive theory
3. Reformative theory
4. Commutative theory

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

'दण्ड की कठोरता अपराध की गंभीरता के' प्रत्यक्ष समानुपाती होनी चाहिए। यह कथन दण्ड के किस सिद्धांत से सहयोजित है:

1. निवारक सिद्धांत
2. प्रतीकारात्मक सिद्धांत
3. सुधारात्मक सिद्धांत
4. योग्यतानुपाती सिद्धांत

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25565] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q66**
2[Option ID=25566]
3[Option ID=25567]
4[Option ID=25568]

Sl. No.67
QBID:3067

Select the code that contains two Theories of Punishment:

1. Retributive and Reassuring
2. Reformative and Reassuring
3. Retributive and Reformative
4. Preventive and Reassuring

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

उस कूट का चयन कीजिए जिसमें दण्ड के दो सिद्धांत अंतर्विष्ट हैं:

1. प्रतीकारात्मक और पुनराश्वासन
2. सुकारात्मक और पुनराश्वासन
3. प्रतीकारात्मक और सुकारात्मक
4. निवारक और पुनराश्वासन

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25569] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q67**
2[Option ID=25570]
3[Option ID=25571]
4[Option ID=25572]

Sl. No.68
QBID:3068

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : There is no suffering in the world

Reason (R) : R: God is almighty

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is true but (R) is false.
4. (A) is false but (R) is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : जगत मे कोई दु:ख नहीं है।

तर्क (R) : ईश्वर सर्वशक्तिमान है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं हैं।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही हैं।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25573] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q68**
2[Option ID=25574]
3[Option ID=25575]
4[Option ID=25576]

Sl. No.69
QBID:3069

Who holds the view that *Jiva*--- (individual self) is itself, is the knower, doer and enjoyer?

A. Śaṁkarāchārya

B. Rāmānujāchārya

C. Madhvāchārya

D. Vallabhāchārya

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and B only.
2. B and C only.
3. A and C only.
4. B, C and D only.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नांकित में से किन का मत है कि जीव (व्यक्ति की आत्मा) स्वयं मे ज्ञाता, कर्ता और भोक्ता है।

A. शंकराचार्य

B. रामानुजाचार्य

C. मध्वाचार्य

D. वल्लभाचार्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल A और C
4. केवल B, C और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25577] Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q69
2[Option ID=25578]
3[Option ID=25579]
4[Option ID=25580]

Sl. No.70
QBID:3070

The challenges of Sophists regarding knowledge were ably met by

A. Socrates

B. Plato

C. Aristotle

D. Epicurus

E. Democritus

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A only.
2. A, and B only.
3. C only.
4. D and E only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

ज्ञान के बार में सोफिस्ट की चुनौतियों का निराकरण किनके द्वारा किया गया?

A. सुकरात

B. प्लेटो

C. अरस्तु

D. एपिक्यूरस

E. डेमोक्रिट्स

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A
2. केवल A और B
3. केवल C
4. केवल D और E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25581] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q70**
2[Option ID=25582]
3[Option ID=25583]
4[Option ID=25584]

Sl. No.71
QBID:3071

The statement, 'Men are not hanged for stealing horses, but that horses may not be stolen', is associated with:

1. Retributive theory of punishment
2. Reformative theory of punishment
3. Preventive theory of punishment
4. Relative theory of punishment

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

'मनुष्य को अश्व की चोरी करने के दण्ड के रूप में फांसी नहीं दी जाती है, किन्तु यह कि भविष्य में अश्व की चोरी न हो।'

यह कथन निम्नांकित में से किससे संबद्ध है?

1. दण्ड का प्रतिकारात्मक सिद्धांत
2. दण्ड का सुधारात्मक सिद्धांत
3. दण्ड का निवारक सिद्धांत
4. दण्ड का सापेक्षिक सिद्धांत

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25585] Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q71
2[Option ID=25586]
3[Option ID=25587]
4[Option ID=25588]

Sl. No.72
QBID:3072

Who among the following is of the view that, 'The true ground of morality can only be the will and Law of God?'

1. Muirhead
2. Rashdall
3. Locke
4. Hume

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित में से किसका मत है कि -

'नैतिकता का सही आधार संकल्प और ईश्वर का नियम ही हो सकता है।'

1. म्यूरहेड
2. रैशडल
3. लॉक
4. ह्यूम

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25589] Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q72
2[Option ID=25590]
3[Option ID=25591]
4[Option ID=25592]

Sl. No.73
QBID:3073

Who among the following held this view "The civil law alone is the Supreme Court of appeal in all cases of right and wrong."

1. Descarles
2. T.S. Mill
3. Leslie Stephan
4. Hobbes

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित में किनका मत था कि -

'सही और गलत के सभी मामलों में केवल सिविल विधि (असैन्य कानून) ही अपील के निमित्त उच्चतम न्यायालय है।'

1. डेकार्त
2. जे. एस. मिल
3. लेस्ली स्टीफन
4. हाब्स

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25593] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q73**
2[Option ID=25594]
3[Option ID=25595]
4[Option ID=25596]

Sl. No.74
QBID:3074

"The new religion says that he is the atheist who does not believe in himself" is the view of :

1. Deendayal Upadhyaya
2. Swami Vivekananda
3. Dr. S. Radhakrishnan
4. Mahatma Gandhi

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

'नूतन धर्म में कहा गया है कि वह व्यक्ति अनीश्वरवादी है जो स्वयं पर विश्वास नहीं करता है।'

यह निम्नांकित में से किसका विचार है?

1. दीनदयाल उपाध्याय
2. स्वामी विवेकानंद
3. डॉ. एस. राधाकृष्णन
4. महात्मा गांधी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25597] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q74**
2[Option ID=25598]
3[Option ID=25599]
4[Option ID=25600]

Sl. No.75
QBID:3075

Select the correct sequence of the following:

1. Bodily Subjectivity, Psychic Subjectivity, Spiritual Subjectivity
2. Psychic Subjectivity, Spiritual Subjectivity, Bodily Subjectivity
3. Spiritual Subjectivity, Bodily Subjectivity, Psychic Subjectivity
4. Bodily Subjectivity, Spiritual Subjectivity, Psychic Subjectivity

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित का सही क्रम चुनिए

1. कायिक आत्मपरकता, मानसिक आत्मपरकता, आध्यात्मिक आत्मपरकता
2. मानसिक आत्मपरकता, आध्यात्मिक आत्मपरकता, कायिक आत्मपरकता
3. आध्यात्मिक आत्मपरकता, कायिक आत्मपरकता, मानसिक आत्मपरकता
4. कायिक आत्मपरकता, आध्यात्मिक आत्मपरकता, मानसिक आत्मपरकता

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25601] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q75**
2[Option ID=25602]
3[Option ID=25603]
4[Option ID=25604]

Sl. No.76
QBID:3076

Match **List I** with **List II**

List I	**List II**
A. ~(p·~q)	I. (~p∨q)·(~ q∨p)
B. p≡q	II. p∨q
C. ~(p≡q)	III. (p·~q)∨(q·~p)
D. ~p⊃q	IV. p⊃q

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - I, B - IV, C - III, D - II
2. A - III, B - II, C - IV, D - I
3. A - II, B - I, C - III, D - IV
4. A - IV, B - I, C - III, D - II

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. ~(p·~q)	I. (~p∨q)·(~ q∨p)
B. p≡q	II. p∨q
C. ~(p≡q)	III. (p·~q)∨(q·~p)
D. ~p⊃q	IV. p⊃q

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I , B - IV , C - III, D - II
2. A - III, B - II, C - IV, D - I
3. A - II, B - I, C - III, D - IV
4. A - IV, B - I, C - III, D - II

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25605] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q76**
2[Option ID=25606]
3[Option ID=25607]
4[Option ID=25608]

Sl. No.77
QBID:3077

Which one of the following is the correct symbolization of the the sentence:
'No coat is waterproof unless it has been specially treated.'

1. (x) [(x) (~Wx V Sx)]
2. (x) [(x) (Wx ⊃ ~Sx)]
3. (x) [(Cx.Wx) ⊃~Sx]
4. (x) [Cx ⊃ (~Sx ⊃ Wx)]

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से ------ कौन सा एक वाक्य का सही प्रतीकीकरण (संकेत) है?'किसी भी कोट को जब तक विशिष्ट रुप से शोधित नहीं किया गया हो तब तक वह जलरोधी नहीं हो सकता है।'

1. (x) [(x) (~Wx V Sx)]
2. (x) [(x) (Wx ⊃~Sx)]
3. (x) [(Cx.Wx) ⊃~Sx]
4. (x) [Cx ⊃ (~Sx ⊃ Wx)]

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25609] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q77**
2[Option ID=25610]

3[Option ID=25611]
4[Option ID=25612]

Sl. No.78
QBID:3078

Which of the following philosophers criticised Quine in defence of a dogma?

A. Strawson

B. Ryle

C. Ayer

D. Grice

E. Chomsky

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and D only.
2. A and E only.
3. A, D and E only.
4. B, D and E only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से किन दार्शनिकों ने क्वाइन 'हठधर्मिता के समर्थन की आलोचना' किया है?

A. स्ट्रॉसन

B. रॉइल

C. एयर

D. ग्राइस

E. चोमस्की

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और D
2. केवल A और E
3. केवल A, D और E
4. केवल B, D और E

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25613] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q78**
2[Option ID=25614]
3[Option ID=25615]
4[Option ID=25616]

Sl. No.79
QBID:3079

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : Truth table is a decision procedure

Reason (R) : In case of decision procedure we can effectively determine the truth-value of a proposition

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is true but (R) is false.
4. (A) is false but (R) is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : सत्यतासारिणी एक निर्णय प्रक्रिया है।

तर्क (R) : निर्णय प्रक्रिया की स्थिति में हम किसी तर्क वाक्य के सत्यता-मूल्य को प्रभावकारी ढंग से निर्धारित कर सकते है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं हैं।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही हैं।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25617] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q79**
2[Option ID=25618]
3[Option ID=25619]
4[Option ID=25620]

Sl. No.80
QBID:3080

Which one of the following does not represent Laws of Thoughts

A. The Principle of Sufficient Reason

B. The Principle of Identity

C. The Principle of Contradiction

D. The Principle of Excluded Middle

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A only.
2. D only.
3. A and D only.
4. B and C only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से कौन सा विचार के नियम को निरूपित नहीं करता है:

A. पर्याप्त हेतु का नियम

B. तादात्म्य का नियम

C. विरोध का नियम

D. मध्यम परिहार का नियम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A
2. केवल D
3. केवल A और D
4. केवल B और C

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25621] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q80**
2[Option ID=25622]
3[Option ID=25623]
4[Option ID=25624]

Sl. No.81
QBID:3081

Which one of the following is/are accepted in an Axiomatic System:

A. Thesis (f) P entails that P is necessarily true.

B. Thesis (f) P entails that P is possibly true.

C. P entails that P is necessarily true.

D. P entails that P is possibly true.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and B only.
2. A, B and C only.
3. B, C and D only.
4. A, B and D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

स्वयंसिद्ध प्रणाली में निम्नांकित में से क्या स्वीकृत है/हैं:

A. प्रस्थापन (f)P से अभिप्रेत है कि P अनिवार्यत: सत्य है।

B. प्रस्थापन (f)P से अभिप्रेत है कि P संभवत: सत्य है।

C. P से अभिप्रेत है कि P अनिवार्यत: सत्य है।

D. P से अभिप्रेत है कि P संभवत: सत्य है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और B
2. केवल A, B और C
3. केवल B, C और D
4. केवल A, B और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25625] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q81**
2[Option ID=25626]
3[Option ID=25627]
4[Option ID=25628]

Sl. No.82
QBID:3082

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : According to Russell, a logically proper name is known by acquaintance.

Reason (R) : A logically proper name stands for a particular and it does not have any descriptive content..

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is true but (R) is false.
4. (A) is false but (R) is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : रसेल के अनुसार तार्किक रुप से व्यक्ति वाचक संज्ञा परिचय कहलाता है।

तर्क (R) : तार्किक रुप से व्यक्तिवाचक संज्ञा किसी विशेष को निरूपित करती है और इसमें कोई विवरणात्मक पक्ष नहीं होता हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं हैं।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही हैं।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25629] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q82**
2[Option ID=25630]
3[Option ID=25631]
4[Option ID=25632]

Sl. No.83
QBID:3083

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : In the case of a categorical syllogism the Middle Term is absent in the conclusion.

Reason (R) : The function of the Middle Term of a categorical syllogism is to establish the relation between the Major Term and the Minor Term.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is true but (R) is false.
4. (A) is false but (R) is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : निरपेक्ष न्यायवाक्य के मामले में निष्कर्ष में मध्यम पद अनुपस्थित रहता है।

तर्क (R) : निरपेक्ष न्यायवाक्य के मध्यमपद का कार्य मुख्य पद और अमुख्य पद के मध्य संबंध स्थापित करना है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं हैं।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही हैं।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25633] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q83**
2[Option ID=25634]
3[Option ID=25635]
4[Option ID=25636]

Sl. No.84
QBID:3084

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : Modern (Boolean) interpretation denies existential import of universal propositions.

Reason (R) : Universal propositions in the true logical form are conditionals.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is true but (R) is false.
4. (A) is false but (R) is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : आधुनिक (बूलियन) निर्वचन में सार्वभौमिक सत्य तर्कवाक्य के अस्तित्वपरक आशय को स्वीकार नहीं किया गया है।

तर्क (R) : सार्वभौमिक तर्कवाक्य सही तार्किक रुप में सोपाधिक हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं हैं।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही हैं।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25637] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q84**
2[Option ID=25638]
3[Option ID=25639]
4[Option ID=25640]

Sl. No.85
QBID:3085

Which of the following is true to Husserl?

1. Consciousness is the lowest level of awareness.
2. There is no language which expresses Being.
3. Consciousness remains a 'Phenomenological residuum'.
4. Responsibility is associated with freedom.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

हुसर्ल के संदर्भ मे निम्नांकित मे से क्या सही है:

1. चेतना अभिज्ञा का निम्नस्थ स्तर है।
2. सत् की अभिव्यक्ति करने वाली कोई भाषा नहीं है।
3. चेतना अंत मे फेनॉमेनॉलॉजिकल अवशिष्ट के रूप में रह ही जाती है
4. उत्तरदायित्व स्वतंत्रता से संबधित होता है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25641] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q85**
2[Option ID=25642]
3[Option ID=25643]
4[Option ID=25644]

Sl. No.86
QBID:3086

Which one of the following Philosophers asserts that "Thought is a Third realm'?

1. Frege
2. Russell
3. Wittgenstein
4. Mill

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नांकित मे से किस दार्शनिक का अभिकथन है कि "विचार तृतीय क्षेत्र है।"

1. फ्रेगे
2. रसेल
3. विट्गेंस्टाइन
4. मिल

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25645] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q86**
2[Option ID=25646]
3[Option ID=25647]
4[Option ID=25648]

Sl. No.87
QBID:3087

Which of the following are true?

A. According to Wittgenstein, the world is the totality of particulars.

B. According to Heidegger, the world is the totality of equipments.

C. According to Strawson, the world is the totality of facts.

D. According to Russell, the world consists in a plurality of independent discrete entities.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and B only.
2. B and D only.
3. A and D only.
4. A, C and D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित मे से कौन से कथन सही हैं ?

A. विटगेंस्टाइन के अनुसार जगत विशेषों का समुच्चय हैं।

B. हाइडेगर के अनुसार जगत उपस्करों का समग्र रूप है।

C. स्ट्रासन के अनुसार जगत तथ्यों की समग्रता है।

D. रसेल के अनुसार जगत में निराश्रित पृथक अस्तित्वों की बहुलता अंतर्विष्ट है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और B
2. केवल B और D
3. केवल A और D
4. केवल A, C और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25649] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q87**
2[Option ID=25650]
3[Option ID=25651]
4[Option ID=25652]

Sl. No.88
QBID:3088

Which of the following is/are accepted in Truth - functional logic?

A. The negation of a tautology is a contradiction.

B. The negation of a contingent is a contingent.

C. The negation of a contradiction is a contradiction.

D.The negation of a contradiction is a tautology.

E. The negation of a contingent is a tautology.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and C only.
2. B and D only.
3. A, B and D only.
4. C and E only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सत्यता फलन तर्क में निम्नांकित में क्या स्वीकृत है/हैं ?

A. पुनरूक्ति का निषेध विरोध है।

B. आपातिक का निषेध आपातिक है।

C. विरोध का निषेध विरोध है।

D. विरोध का निषेध पुनरूक्ति है।

E. आपातिक का निषेध पुनरूक्ति है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और C
2. केवल B और D
3. केवल A, B और D
4. केवल C और E

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25653] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q88**
2[Option ID=25654]
3[Option ID=25655]
4[Option ID=25656]

Sl. No.89
QBID:3089

Match **List I** with **List II**

List I	List II
A. Nietzsche	I. The method of phenomenology is a method of direct intuition.
B. Morleau-Ponty	II. God is dead.
C. Husserl	III. A human being is essentially a forward projecting creature.
D. Heidegger	IV. Phenomenology can be recognized as a mode of thought.

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - I, B - III, C - IV, D - II
2. A - III, B - II, C - IV, D - I
3. A - II, B - IV, C - I, D - III
4. A - IV, B - I, C - III, D - II

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. नीत्शे	I. संवृत्तिशास्त्र की विधि प्रत्यक्ष अंत:प्रज्ञा की एक विधि है।
B. मोर्ल्यू-पोण्टी	II. ईश्वर मृत है।
C. हुसर्ल	III. मानव अनिवार्य रुप से अग्र प्रक्षेपित प्राणी है।
D. हाईडेगर	IV. संवृत्तीशास्त्र को चिंतन के एक साधन के रुप मान्य किया जा सकता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I , B - III , C - IV, D - II
2. A - III, B - II, C - IV, D - I
3. A - II, B - IV, C - I, D - III
4. A - IV, B - I, C - III, D - II

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25657] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q89**
2[Option ID=25658]
3[Option ID=25659]
4[Option ID=25660]

Sl. No.90
QBID:3090

Which one of the following assertions is true?

1. Pa /∴ (x) Px
2. Py /∴ (x) Px
3. Pa /∴(fx)Px
4. Pa ⊃Py /∴ (x) (Px ⊃Py)

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से कौन सा एक कथन सत्य है ?

1. Pa /∴ (x) Px
2. Py /∴ (x) Px
3. Pa /∴(fx)Px
4. Pa ⊃Py /∴ (x) (Px ⊃Py)

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25661] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q90**
2[Option ID=25662]
3[Option ID=25663]
4[Option ID=25664]

Sl. No.91
QBID:3091

Read the following passage and answer the questions that follow:

There is on the one hand the thing of which we are aware -- say the colour of my table -- and on the other hand the actual awareness itself, the mental act of apprehending a thing. The mental act is undoubtedly mental, but is there any reason to suppose that the thing apprehended is in any sense mental?... This question of the distinction between the act and the object in our apprehending of things is vitally important, since our whole power of acquiring knowledge is bound up with it. The faculty of being acquainted with things other than itself is the main characteristic of a mind. Acquaintance with objects essentially consists in a relation between the mind and something other than the mind; it is this that constitutes the mind's power of knowing things. If we say that the things known must be in the mind, we are either unduly limiting the mind's power of knowing, or we are uttering a mere tautology. We are uttering a mere tautology if we mean by 'in the mind' the same as by 'before the mind', i.e. if we mean merely being apprehended by the mind. But if we mean this, we shall have to admit that what, in this sense, is in the mind, may nevertheless be not mental... If I am acquainted with a thing which exists, my acquaintance gives me the knowledge that it exists. But it is not true that, conversely, whenever I can know that a thing of a certain sort exists, I or someone else must be acquainted with the thing.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक ओर वह विषय होता है जिससे हम अवगत होते हैं - यथा अपने मेज का वर्ण और दूसरी ओर स्वयं वास्तविक सचेतता, विषय के अवबोध की मानसिक क्रिया। मानसिक कर्म निस्संदेह मानसिक होता है, किन्तु क्या यह मानने का कोई कारण है कि अवबोधित विषय किसी अर्थ में मानसिक है? - विषयों के संबंध में हमारे अवबोध के क्रम में कर्म और प्रयोजन के मध्य विभेद करने का यह प्रश्न अति महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारे ज्ञानार्जन की समग्र शक्ति इससे आबद्ध है। विषय के अतिरिक्त विषयों से सुपरिचित होने की ज्ञानशक्ति मनस की मुख्य अभिलाक्षणिक विशेषता है। विषयों के ज्ञान में मूलत: मनस और मनस से भिन्न किसी अन्य तत्व के मध्य संबंध अंतर्निष्ट होता है : इसी से विषयों के ज्ञान हेतु मनस क्षमता का निर्माण होता है।

यदि यह कहा जाए कि बात विषय निरपवादत: मनस में विद्यमान होना चाहिए तो या तो हम ज्ञान प्राप्त करने के संदर्भ में मनस की शक्ति को परिसीमित कर रहे हैं, या हम केवल पुनरुक्ति का भाष्य कर रहे हैं। यदि हम 'मनस में' और 'मनस के समक्ष' दोनों का अभिप्राय एक समान मानते हैं, अर्थात् यदि हमारा अभिप्राय केवल मनस द्वारा अवबोधित किए जाने के संदर्भ से हैं, तो हम केवल पुनरुक्ति का भाष्य कर रहे हैं। किन्तु यदि हमारा अभिप्राय यह है तो हमें स्वीकार करना होगा कि इस अर्थ में जो मनस में है वह मानसिक नहीं भी हो सकता है - यदि मैं किसी विषय से सुपरिचित हूँ जो अस्तित्व में है तो मेरा उस विषय से परिचित होने के फलस्वरूप मुझे यह ज्ञान प्राप्त होता है कि यह विषय विद्यमान है। किन्तु विपर्यत: यह सत्य नहीं है कि जब कभी भी मुझे ज्ञान हो सकता है कि किसी प्रकार का कोई विषय अस्तित्व में है, मैं या कोई अन्य व्यक्ति उस विषय से अवश्य परिचित रहा होगा।

The passage is extended to explore the nature of:

1. Act only
2. object only
3. both act and object
4. The process of acquiring knowledge

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

इस गद्यांश का पल्लवन निम्नांकित की प्रकृति के गवेषण के उद्देश्य से किया गया है -

1. केवल कृत्य
2. केवल ध्येय
3. कृत्य और ध्येय दोनों
4. ज्ञानप्राप्ति की प्रक्रिया

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25665] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q91**
2[Option ID=25666]
3[Option ID=25667]
4[Option ID=25668]

Sl. No.92
QBID:3092

Read the following passage and answer the questions that follow:

There is on the one hand the thing of which we are aware -- say the colour of my table -- and on the other hand the actual awareness itself, the mental act of apprehending a thing. The mental act is undoubtedly mental, but is there any reason to suppose that the thing apprehended is in any sense mental?... This question of the distinction between the act and the object in our apprehending of things is vitally important, since our whole power of acquiring knowledge is bound up with it. The faculty of being acquainted with things other than itself is the main characteristic of a mind. Acquaintance with objects essentially consists in a relation between the mind and something other than the mind; it is this that constitutes the mind's power of knowing things. If we say that the things known must be in the mind, we are either unduly limiting the mind's power of knowing, or we are uttering a mere tautology. We are uttering a mere tautology if we mean by 'in the mind' the same as by 'before the mind', i.e. if we mean merely being apprehended by the mind. But if we mean this, we shall have to admit that what, in this sense, is in the mind, may nevertheless be not mental... If I am acquainted with a thing which exists, my acquaintance gives me the knowledge that it exists. But it is not true that, conversely, whenever I can know that a thing of a certain sort exists, I or someone else must be acquainted with the thing.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक ओर वह विषय होता है जिससे हम अवगत होते हैं - यथा अपने मेज का वर्ण और दूसरी ओर स्वयं वास्तविक सचेतता, विषय के अवबोध की मानसिक क्रिया। मानसिक कर्म निस्संदेह मानसिक होता है, किन्तु क्या यह मानने का कोई कारण है कि अवबोधित विषय किसी अर्थ में मानसिक है? - विषयों के संबंध में हमारे अवबोध के क्रम में कर्म और प्रयोजन के मध्य विभेद करने का यह प्रश्न अति महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारे ज्ञानार्जन की समग्र शक्ति इससे आबद्ध है। विषय के अतिरिक्त विषयों से सुपरिचित होने की ज्ञानशक्ति मनस की मुख्य अभिलाक्षणिक विशेषता है। विषयों के ज्ञान में मूलत: मनस और मनस से भिन्न किसी अन्य तत्व के मध्य संबंध अंतर्निष्ट होता है : इसी से विषयों के ज्ञान हेतु मनस क्षमता का निर्माण होता है।

यदि यह कहा जाए कि बात विषय निरपवादत: मनस में विद्यमान होना चाहिए तो या तो हम ज्ञान प्राप्त करने के संदर्भ में मनस की शक्ति को परिसीमित कर रहे हैं, या हम केवल पुनरुक्ति का भाष्य कर रहे हैं। यदि हम 'मनस में' और 'मनस के समक्ष' दोनों का अभिप्राय एक समान मानते हैं, अर्थात् यदि हमारा अभिप्राय केवल मनस द्वारा अवबोधित किए जाने के संदर्भ से हैं, तो हम केवल पुनरुक्ति का भाष्य कर रहे हैं। किन्तु यदि हमारा अभिप्राय यह है तो हमें स्वीकार करना होगा कि इस अर्थ में जो मनस में है वह मानसिक नहीं भी हो सकता है - यदि मैं किसी विषय से सुपरिचित हूँ जो अस्तित्व में है तो मेरा उस विषय से परिचित होने के फलस्वरूप मुझे यह ज्ञान प्राप्त होता है कि यह विषय विद्यमान है। किन्तु विपर्यत: यह सत्य नहीं है कि जब कभी भी मुझे ज्ञान हो सकता है कि किसी प्रकार का कोई विषय अस्तित्व में है, मैं या कोई अन्य व्यक्ति उस विषय से अवश्य परिचित रहा होगा।

Philosophical position of which of the following philosophers is being refuted in the given passage?

1. Berkeley
2. Descartes
3. Hegel
4. Leibnitz

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

दिए गए गद्यांश मे निम्नांकित मे से किस दार्शनिक मत को अस्वीकृत किया गया है:

1. बर्कले
2. डेकार्त
3. हेगल
4. लाइबनित्ज

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25669] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q92**
2[Option ID=25670]
3[Option ID=25671]
4[Option ID=25672]

Sl. No.93
QBID:3093

Read the following passage and answer the questions that follow:

There is on the one hand the thing of which we are aware -- say the colour of my table -- and on the other hand the actual awareness itself, the mental act of apprehending a thing. The mental act is undoubtedly mental, but is there any reason to suppose that the thing apprehended is in any sense mental?... This question of the distinction between the act and the object in our apprehending of things is vitally important, since our whole power of acquiring knowledge is bound up with it. The faculty of being acquainted with things other than itself is the main characteristic of a mind. Acquaintance with objects essentially consists in a relation between the mind and something other than the mind; it is this that constitutes the mind's power of knowing things. If we say that the things known must be in the mind, we are either unduly limiting the mind's power of knowing, or we are uttering a mere tautology. We are uttering a mere tautology if we mean by 'in the mind' the same as by 'before the mind', i.e. if we mean merely being apprehended by the mind. But if we mean this, we shall have to admit that what, in this sense, is in the mind, may nevertheless be not mental... If I am acquainted with a thing which exists, my acquaintance gives me the knowledge that it exists. But it is not true that, conversely, whenever I can know that a thing of a certain sort exists, I or someone else must be acquainted with the thing.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक ओर वह विषय होता है जिससे हम अवगत होते हैं - यथा अपने मेज का वर्ण और दूसरी ओर स्वयं वास्तविक सचेतता, विषय के अवबोध की मानसिक क्रिया। मानसिक कर्म निस्संदेह मानसिक होता है, किन्तु क्या यह मानने का कोई कारण है कि अवबोधित विषय किसी अर्थ में मानसिक है? - विषयों के संबंध में हमारे अवबोध के क्रम में कर्म और प्रयोजन के मध्य विभेद करने का यह प्रश्न अति महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारे ज्ञानार्जन की समग्र शक्ति इससे आबद्ध है। विषय के अतिरिक्त विषयों से सुपरिचित होने की ज्ञानशक्ति मनस की मुख्य अभिलाक्षणिक विशेषता है। विषयों के ज्ञान में मूलत: मनस और मनस से भिन्न किसी अन्य तत्व के मध्य संबंध अंतर्निष्ट होता है : इसी से विषयों के ज्ञान हेतु मनस क्षमता का निर्माण होता है।

यदि यह कहा जाए कि बात विषय निरपवादत: मनस में विद्यमान होना चाहिए तो या तो हम ज्ञान प्राप्त करने के संदर्भ में मनस की शक्ति को परिसीमित कर रहे हैं, या हम केवल पुनरुक्ति का भाष्य कर रहे हैं। यदि हम 'मनस में' और 'मनस के समक्ष' दोनों का अभिप्राय एक समान मानते हैं, अर्थात् यदि हमारा अभिप्राय केवल मनस द्वारा अवबोधित किए जाने के संदर्भ से हैं, तो हम केवल पुनरुक्ति का भाष्य कर रहे हैं। किन्तु यदि हमारा अभिप्राय यह है तो हमें स्वीकार करना होगा कि इस अर्थ में जो मनस में है वह मानसिक नहीं भी हो सकता है - यदि मैं किसी विषय से सुपरिचित हूँ जो अस्तित्व में है तो मेरा उस विषय से परिचित होने के फलस्वरूप मुझे यह ज्ञान प्राप्त होता है कि यह विषय विद्यमान है। किन्तु विपर्यत: यह सत्य नहीं है कि जब कभी भी मुझे ज्ञान हो सकता है कि किसी प्रकार का कोई विषय अस्तित्व में है, मैं या कोई अन्य व्यक्ति उस विषय से अवश्य परिचित रहा होगा।

The Statement - 'the things known must be in the mind' is most indicative of which of the following philosophical position?

1. Absolute idealism
2. Subjective idealism
3. Representationism
4. Naive Realism

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

कथन- 'ज्ञात वस्तुएं अनिवार्यत: मनस में होनी चाहिए' ,निम्नांकित में से किस दार्शनिक मत को सर्वाधिक निरूपित करता है:

1. निरपेक्ष आदर्शवाद
2. व्यक्तिनिष्ठ आदर्शवाद
3. प्रतिनिधित्ववाद
4. सहज वास्तववाद

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25673] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q93**
2[Option ID=25674]
3[Option ID=25675]
4[Option ID=25676]

Sl. No.94
QBID:3094

Read the following passage and answer the questions that follow:

There is on the one hand the thing of which we are aware -- say the colour of my table -- and on the other hand the actual awareness itself, the mental act of apprehending a thing. The mental act is undoubtedly mental, but is there any reason to suppose that the thing apprehended is in any sense mental?... This question of the distinction between the act and the object in our apprehending of things is vitally important, since our whole power of acquiring knowledge is bound up with it. The faculty of being acquainted with things other than itself is the main characteristic of a mind. Acquaintance with objects essentially consists in a relation between the mind and something other than the mind; it is this that constitutes the mind's power of knowing things. If we say that the things known must be in the mind, we are either unduly limiting the mind's power of knowing, or we are uttering a mere tautology. We are uttering a mere tautology if we mean by 'in the mind' the same as by 'before the mind', i.e. if we mean merely being apprehended by the mind. But if we mean this, we shall have to admit that what, in this sense, is in the mind, may nevertheless be not mental... If I am acquainted with a thing which exists, my acquaintance gives me the knowledge that it exists. But it is not true that, conversely, whenever I can know that a thing of a certain sort exists, I or someone else must be acquainted with the thing.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक ओर वह विषय होता है जिससे हम अवगत होते हैं - यथा अपने मेज का वर्ण और दूसरी ओर स्वयं वास्तविक सचेतता, विषय के अवबोध की मानसिक क्रिया। मानसिक कर्म निस्संदेह मानसिक होता है, किन्तु क्या यह मानने का कोई कारण है कि अवबोधित विषय किसी अर्थ में मानसिक है? - विषयों के संबंध में हमारे अवबोध के क्रम में कर्म और प्रयोजन के मध्य विभेद करने का यह प्रश्न अति महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारे ज्ञानार्जन की समग्र शक्ति इससे आबद्ध है। विषय के अतिरिक्त विषयों से सुपरिचित होने की ज्ञानशक्ति मनस की मुख्य अभिलाक्षणिक विशेषता है। विषयों के ज्ञान में मूलत: मनस और मनस से भिन्न किसी अन्य तत्व के मध्य संबंध अंतर्निष्ट होता है : इसी से विषयों के ज्ञान हेतु मनस क्षमता का निर्माण होता है।

यदि यह कहा जाए कि बात विषय निरपवादत: मनस में विद्यमान होना चाहिए तो या तो हम ज्ञान प्राप्त करने के संदर्भ में मनस की शक्ति को परिसीमित कर रहे हैं, या हम केवल पुनरुक्ति का भाष्य कर रहे हैं। यदि हम 'मनस में' और 'मनस के समक्ष' दोनों का अभिप्राय एक समान मानते हैं, अर्थात् यदि हमारा अभिप्राय केवल मनस द्वारा अवबोधित किए जाने के संदर्भ से हैं, तो हम केवल पुनरुक्ति का भाष्य कर रहे हैं। किन्तु यदि हमारा अभिप्राय यह है तो हमें स्वीकार करना होगा कि इस अर्थ में जो मनस में है वह मानसिक नहीं भी हो सकता है - यदि मैं किसी विषय से सुपरिचित हूँ जो अस्तित्व में है तो मेरा उस विषय से परिचित होने के फलस्वरूप मुझे यह ज्ञान प्राप्त होता है कि यह विषय विद्यमान है। किन्तु विपर्यत: यह सत्य नहीं है कि जब कभी भी मुझे ज्ञान हो सकता है कि किसी प्रकार का कोई विषय अस्तित्व में है, मैं या कोई अन्य व्यक्ति उस विषय से अवश्य परिचित रहा होगा।

Which philosophical position is best characterised by the statement - "It is not true that whenever I can know that a thing of a certain sort exists, I or some one else must be acquainted with the things."?

1. Idealism
2. Realism
3. Psychologism
4. Phenomenalism

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नांकित कथन से किस दार्शनिक मत की विशेषता अभिव्यक्त होती है:

"यह सत्य नहीं है कि जब कभी भी मैं यह जान सकता हूँ कि कतिपय प्रकार की कोई वस्तु अस्तित्व में है, मुझे अथवा किसी अन्य व्यक्ति को उन वस्तुओं से अवश्य परिचित होना चाहिए."

1. आदर्शवाद
2. वास्तववाद
3. मनोविज्ञानवाद
4. परिघटनावाद

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25677]
2[Option ID=25678]
3[Option ID=25679]
4[Option ID=25680]

Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q94

Sl. No.95
QBID:3095

Read the following passage and answer the questions that follow:

There is on the one hand the thing of which we are aware -- say the colour of my table -- and on the other hand the actual awareness itself, the mental act of apprehending a thing. The mental act is undoubtedly mental, but is there any reason to suppose that the thing apprehended is in any sense mental?... This question of the distinction between the act and the object in our apprehending of things is vitally important, since our whole power of acquiring knowledge is bound up with it. The faculty of being acquainted with things other than itself is the main characteristic of a mind. Acquaintance with objects essentially consists in a relation between the mind and something other than the mind; it is this that constitutes the mind's power of knowing things. If we say that the things known must be in the mind, we are either unduly limiting the mind's power of knowing, or we are uttering a mere tautology. We are uttering a mere tautology if we mean by 'in the mind' the same as by 'before the mind', i.e. if we mean merely being apprehended by the mind. But if we mean this, we shall have to admit that what, in this sense, is in the mind, may nevertheless be not mental... If I am acquainted with a thing which exists, my acquaintance gives me the knowledge that it exists. But it is not true that, conversely, whenever I can know that a thing of a certain sort exists, I or someone else must be acquainted with the thing.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक ओर वह विषय होता है जिससे हम अवगत होते हैं - यथा अपने मेज का वर्ण और दूसरी ओर स्वयं वास्तविक सचेतता, विषय के अवबोध की मानसिक क्रिया। मानसिक कर्म निस्संदेह मानसिक होता है, किन्तु क्या यह मानने का कोई कारण है कि अवबोधित विषय किसी अर्थ में मानसिक है? - विषयों के संबंध में हमारे अवबोध के क्रम में कर्म और प्रयोजन के मध्य विभेद करने का यह प्रश्न अति महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारे ज्ञानार्जन की समग्र शक्ति इससे आबद्ध है। विषय के अतिरिक्त विषयों से सुपरिचित होने की ज्ञानशक्ति मनस की मुख्य अभिलाक्षणिक विशेषता है। विषयों के ज्ञान में मूलत: मनस और मनस से भिन्न किसी अन्य तत्व के मध्य संबंध अंतर्निष्ट होता है : इसी से विषयों के ज्ञान हेतु मनस क्षमता का निर्माण होता है।

यदि यह कहा जाए कि बात विषय निरपवादत: मनस में विद्यमान होना चाहिए तो या तो हम ज्ञान प्राप्त करने के संदर्भ में मनस की शक्ति को परिसीमित कर रहे हैं, या हम केवल पुनरुक्ति का भाष्य कर रहे हैं। यदि हम 'मनस में' और 'मनस के समक्ष' दोनों का अभिप्राय एक समान मानते हैं, अर्थात् यदि हमारा अभिप्राय केवल मनस द्वारा अवबोधित किए जाने के संदर्भ से हैं, तो हम केवल पुनरुक्ति का भाष्य कर रहे हैं। किन्तु यदि हमारा अभिप्राय यह है तो हमें स्वीकार करना होगा कि इस अर्थ में जो मनस में है वह मानसिक नहीं भी हो सकता है - यदि मैं किसी विषय से सुपरिचित हूँ जो अस्तित्व में है तो मेरा उस विषय से परिचित होने के फलस्वरूप मुझे यह ज्ञान प्राप्त होता है कि यह विषय विद्यमान है। किन्तु विपर्यत: यह सत्य नहीं है कि जब कभी भी मुझे ज्ञान हो सकता है कि किसी प्रकार का कोई विषय अस्तित्व में है, मैं या कोई अन्य व्यक्ति उस विषय से अवश्य परिचित रहा होगा।

According to the given passage, when one uses the idea of 'Nature of things' distinction between which of the following philosophical notion is overlooked?

1. Knowledge of things and aquaintance of things
2. Knowledge of ideas and knowledge of things
3. Knowing that and knowing how
4. Knowledge of truth and knowledge of things

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

दिए गए गद्यांश के अनुसार जब कोई व्यक्ति 'वस्तुओं कि प्रकृति' के प्रत्यय का प्रयोग करता है तो निम्नांकित में से किन दो दार्शनिक दृष्टिकोण के मध्य विभेद की अनदेखी की जाती है:

1. वस्तुओं की ज्ञान और वस्तु-परिचय
2. प्रत्यय का ज्ञान और वस्तु- ज्ञान
3. उससे अवगत होना और प्रक्रम की जानकारी होना
4. सत्य का ज्ञान और वस्तुओ का ज्ञान

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25681] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q95**
2[Option ID=25682]
3[Option ID=25683]
4[Option ID=25684]

Sl. No.96
QBID:3096

Read the following passage and answer the questions that follow:

I would like to defend the notion of applied philosophy, and from the defence there emerge several important points about its nature. One is that it is essentially interdisciplinary, for the problems with which it deals are usually complex practical ones to which more than one kind of expertise is relevant. This means that in these days of necessary specialization, applied philosophy will have to be a cooperative venture if it is to be done properly. Such cooperation between experts is by no means easy, and the philosopher could make himself useful just by helping each expert to interpret his discipline to the others. Thus, there is a further reason for my second point about applied philosophy, that it requires insight, imagination, and synthesis, as well as analytic expertise. The third point is that there is no sharp dividing line between pure and applied philosophy— "applied" problems will raise "pure" questions (e.g. the ban on contraception raises the question of the justifiability of the concept of natural law), and "pure" principles can be applied to particular problems (e.g. a testability criterion for a theory's being scientific can be applied to psychoanalytical and sociological assertions). The fourth point is that there is no sharp division on the other side either—between applied philosophy and the application of common sense to any problem of life ("Every man his own applied philosopher"). But not everyone is interested in, or capable of, pure philosophy; and not everything in pure philosophy has wider implications (e.g. I doubt whether the philosophy of mathematics has any). So, we can now see how it is true that although philosophy has its own specialized concerns which are not necessarily of wider interest or relevance (those of pure philosophy) it is also true that philosophy can, and should, be relevant to "the important questions of everyday life" (applied philosophy).

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मैं अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के अभिप्राय का समर्थन करना चाहूँगा तथा इस समर्थन से इस स्वरूप के बारे में अनेक महत्वपूर्ण बिंदु उभर कर सामने आते हैं। इनमें से एक अनिवार्यत: अन्त: शास्त्रीयता है, क्योंकि इसमें जिन समस्याओं का उल्लेख होता है, वे सामान्यत: जटिल व्यावहारिक समस्याएं होती हैं, जिनके साथ एक से अधिक प्रकार की विशेषज्ञता प्रासंगिक होती है। इसका तात्पर्य यह है कि आवश्यक विशेषज्ञता के इस युग में अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र को यदि समुचित विधि से प्रयुक्त करता है, तो इसे सहयोगात्मक उद्यम होना होगा। विशेषज्ञों के बीच इस प्रकार का सहयोग बिलकुल आसान नहीं है, और दार्शनिक प्रत्येक विशेषज्ञ द्वारा दूसरे विशेषज्ञ के समक्ष अपने शास्त्र के प्रतिपादन में से सहायता प्रदान कर स्वयं को उपयोगी बना सकता है। अत: अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के बारे में मेरे दूसरे बिंदु के लिए अन्य कारण यह है कि, इसमें अन्तर्दृष्टि, कल्पना और संश्लेषण के साथ साथ विश्लेषणात्मक विशेषज्ञता की भी आवश्यकता होती है। मेरा तीसरा बिंदु यह है कि सैद्धान्तिक तथा अनुप्रयुक्त दर्शन शास्त्र के बीच कोई सुनिश्चित विभाजन रेखा नहीं है - "अनुप्रयुक्त" समस्याओं से "सैद्धान्तिक" प्रश्न उत्पन्न होंगे (उदाहरणार्थ गर्भ निरोध पर प्रतिबंध से नैसर्गिक नियम की अवधारणा की न्यायसंगतता का प्रश्न उत्पन्न होता है), तथा "सैद्धान्तिक" दर्शन शास्त्र के सिद्धान्तों का अनुप्रयोग विशिष्ट समस्याओं (उदाहरणार्थ किसी सिद्धान्त के वैज्ञानिक होने के लिए परीक्षणीयता के मानदंड या प्रयोग मनोविश्लेषणात्मक तथा समाजशास्त्रीय अभिकथनों में किया जा सकता है।) चौथा बिंदु यह है कि दूसरी तरफ भी - जीवन की किसी समस्या के संबंध में अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र तथा सामान्य बुद्धि के अनुप्रयोग के बीच कोई सुनिश्चित विभाजन नहीं है ("प्रत्येक व्यक्ति का अपना अनुप्रयुक्त दार्शनिक होना") परंतु प्रत्येक व्यक्ति की सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र में रुचि नहीं होती है, और न हीं इसके लिए वह समर्थ होता है; तथा सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र में प्रत्येक वस्तु के व्यापक आपादान नहीं होते हैं (उदाहरणार्थ मुझे संदेह है कि गणित के दर्शनशास्त्र के ऐसे कोई आपादान हैं।) अत: हम अब यह देख सकते हैं कि यह सत्य है कि यद्यपि दर्शनशास्त्र के अपने विशिष्ट सरोकार हैं जो अनिवार्यत: व्यापक रुचि अथवा प्रासंगिकता के नहीं हैं (सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र की), तथापि यह भी सत्य है कि दर्शनशास्त्र "सामान्य जीवन के महत्वपूर्ण प्रश्नों" के लिए प्रासंगिक हो सकता है, और होना भी चाहिए।

(अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र)

Among the important points raised regarding the nature of applied philosophy are:

A. It is interdisciplinary in nature

B. It requires sticking to the facts without any interpretation

C. There is no sharp division between pure and applied philosophy

D. There is no sharp division between applied common sense and applied philosophy

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and C only.
2. B and D only.
3. A, C and D only.
4. C and D only.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के स्वरूप के बारे में उठाये गये महत्वपूर्ण बिंदु हैं :

A. यह स्वरूप में अंत: शास्त्रीय है।

B. इसमें प्रतिपादन के बिना तथ्यों से जुड़े रहने की आवश्यकता होती है।

C. सैद्धान्तिक तथा अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र में कोई सुनिश्चित विभाजन नहीं है।

D. अनुप्रयुक्त सामान्य बुद्धि तथा अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र में कोई स्पष्ट विभाजन नहीं है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और C
2. केवल B और D
3. केवल A, C और D
4. केवल C और D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25685] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q96**
2[Option ID=25686]
3[Option ID=25687]
4[Option ID=25688]

Sl. No.97
QBID:3097

Read the following passage and answer the questions that follow:

I would like to defend the notion of applied philosophy, and from the defence there emerge several important points about its nature. One is that it is essentially interdisciplinary, for the problems with which it deals are usually complex practical ones to which more than one kind of expertise is relevant. This means that in these days of necessary specialization, applied philosophy will have to be a cooperative venture if it is to be done properly. Such cooperation between experts is by no means easy, and the philosopher could make himself useful just by helping each expert to interpret his discipline to the others. Thus, there is a further reason for my second point about applied philosophy, that it requires insight, imagination, and synthesis, as well as analytic expertise. The third point is that there is no sharp dividing line between pure and applied philosophy— "applied" problems will raise "pure" questions (e.g. the ban on contraception raises the question of the justifiability of the concept of natural law), and "pure" principles can be applied to particular problems (e.g. a testability criterion for a theory's being scientific can be applied to psychoanalytical and sociological assertions). The fourth point is that there is no sharp division on the other side either—between applied philosophy and the application of common sense to any problem of life ("Every man his own applied philosopher"). But not everyone is interested in, or capable of, pure philosophy; and not everything in pure philosophy has wider implications (e.g. I doubt whether the philosophy of mathematics has any). So, we can now see how it is true that although philosophy has its own specialized concerns which are not necessarily of wider interest or relevance (those of pure philosophy) it is also true that philosophy can, and should, be relevant to "the important questions of everyday life" (applied philosophy).

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मैं अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के अभिप्राय का समर्थन करना चाहूँगा तथा इस समर्थन से इस स्वरूप के बारे में अनेक महत्वपूर्ण बिंदु उभर कर सामने आते हैं। इनमें से एक अनिवार्यत: अन्त: शास्त्रीयता है, क्योंकि इसमें जिन समस्याओं का उल्लेख होता है, वे सामान्यत: जटिल व्यावहारिक समस्याएं होती हैं, जिनके साथ एक से अधिक प्रकार की विशेषज्ञता प्रासंगिक होती है। इसका तात्पर्य यह है कि आवश्यक विशेषज्ञता के इस युग में अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र को यदि समुचित विधि से प्रयुक्त करता है, तो इसे सहयोगात्मक उद्यम होना होगा। विशेषज्ञों के बीच इस प्रकार का सहयोग बिलकुल आसान नहीं है, और दार्शनिक प्रत्येक विशेषज्ञ द्वारा दूसरे विशेषज्ञ के समक्ष अपने शास्त्र के प्रतिपादन में से सहायता प्रदान कर स्वयं को उपयोगी बना सकता है। अत: अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के बारे में मेरे दूसरे बिंदु के लिए अन्य कारण यह है कि, इसमें अन्तर्दृष्टि, कल्पना और संश्लेषण के साथ साथ विश्लेषणात्मक विशेषज्ञता की भी आवश्यकता होती है। मेरा तीसरा बिंदु यह है कि सैद्धान्तिक तथा अनुप्रयुक्त दर्शन शास्त्र के बीच कोई सुनिश्चित विभाजन रेखा नहीं है - "अनुप्रयुक्त" समस्याओं से "सैद्धान्तिक" प्रश्न उत्पन्न होंगे (उदाहरणार्थ गर्भ निरोध पर प्रतिबंध से नैसर्गिक नियम की अवधारणा की न्यायसंगतता का प्रश्न उत्पन्न होता है), तथा "सैद्धान्तिक" दर्शन शास्त्र के सिद्धान्तों का अनुप्रयोग विशिष्ट समस्याओं (उदाहरणार्थ किसी सिद्धान्त के वैज्ञानिक होने के लिए परीक्षणीयता के मानदंड या प्रयोग मनोविश्लेषणात्मक तथा समाजशास्त्रीय अभिकथनों में किया जा सकता है।) चौथा बिंदु यह है कि दूसरी तरफ भी - जीवन की किसी समस्या के संबंध में अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र तथा सामान्य बुद्धि के अनुप्रयोग के बीच कोई सुनिश्चित विभाजन नहीं है ("प्रत्येक व्यक्ति का अपना अनुप्रयुक्त दार्शनिक होना") परंतु प्रत्येक व्यक्ति की सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र में रुचि नहीं होती है, और न हीं इसके लिए वह समर्थ होता है; तथा सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र में प्रत्येक वस्तु के व्यापक आपादान नहीं होते हैं (उदाहरणार्थ मुझे संदेह है कि गणित के दर्शनशास्त्र के ऐसे कोई आपादान हैं।) अत: हम अब यह देख सकते हैं कि यह सत्य है कि यद्यपि दर्शनशास्त्र के अपने विशिष्ट सरोकार हैं जो अनिवार्यत: व्यापक रुचि अथवा प्रासंगिकता के नहीं हैं (सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र की), तथापि यह भी सत्य है कि दर्शनशास्त्र "सामान्य जीवन के महत्वपूर्ण प्रश्नों" के लिए प्रासंगिक हो सकता है, और होना भी चाहिए।

(अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र)

By saying - "Applied" problems raise "Pure" questions, the author means:

1. All philosophical theories have applications
2. Applied problems when analyzed lead to pure philosophical issues.
3. All pure philosophical issues are also applied issues.
4. The distinction between applied and pure philosophy is bogus.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

लेखक को कथन "अनुप्रयुक्त" समस्याओं से 'सैद्धान्तिक' प्रश्न उत्पन्न होते है, का अभिप्राय है:

1. सभी दार्शनिक सिद्धांतो का अनुप्रयोग होता है।
2. अनुप्रयुक्त समस्याओं का विश्लेषण करने से सैद्धान्तिक दर्शन शास्त्र संबंधी विषय उत्पन्न होते हैं।
3. सभी सैद्धान्तिक विषय अनुप्रयुक्त विषय भी होते हैं।
4. अनुप्रयुक्त तथा सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र के बीच भेद बनावटी है।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25689] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q97**
2[Option ID=25690]
3[Option ID=25691]
4[Option ID=25692]

Sl. No.98
QBID:3098

Read the following passage and answer the questions that follow:

I would like to defend the notion of applied philosophy, and from the defence there emerge several important points about its nature. One is that it is essentially interdisciplinary, for the problems with which it deals are usually complex practical ones to which more than one kind of expertise is relevant. This means that in these days of necessary specialization, applied philosophy will have to be a cooperative venture if it is to be done properly. Such cooperation between experts is by no means easy, and the philosopher could make himself useful just by helping each expert to interpret his discipline to the others. Thus, there is a further reason for my second point about applied philosophy, that it requires insight, imagination, and synthesis, as well as analytic expertise. The third point is that there is no sharp dividing line between pure and applied philosophy— "applied" problems will raise "pure" questions (e.g. the ban on contraception raises the question of the justifiability of the concept of natural law), and "pure" principles can be applied to particular problems (e.g. a testability criterion for a theory's being scientific can be applied to psychoanalytical and sociological assertions). The fourth point is that there is no sharp division on the other side either—between applied philosophy and the application of common sense to any problem of life ("Every man his own applied philosopher"). But not everyone is interested in, or capable of, pure philosophy; and not everything in pure philosophy has wider implications (e.g. I doubt whether the philosophy of mathematics has any). So, we can now see how it is true that although philosophy has its own specialized concerns which are not necessarily of wider interest or relevance (those of pure philosophy) it is also true that philosophy can, and should, be relevant to "the important questions of everyday life" (applied philosophy).

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मैं अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के अभिप्राय का समर्थन करना चाहूँगा तथा इस समर्थन से इस स्वरूप के बारे में अनेक महत्वपूर्ण बिंदु उभर कर सामने आते हैं। इनमें से एक अनिवार्यत: अन्त: शास्त्रीयता है, क्योंकि इसमें जिन समस्याओं का उल्लेख होता है, वे सामान्यत: जटिल व्यावहारिक समस्याएं होती हैं, जिनके साथ एक से अधिक प्रकार की विशेषज्ञता प्रासंगिक होती है। इसका तात्पर्य यह है कि आवश्यक विशेषज्ञता के इस युग में अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र को यदि समुचित विधि से प्रयुक्त करता है, तो इसे सहयोगात्मक उद्यम होना होगा। विशेषज्ञों के बीच इस प्रकार का सहयोग बिलकुल आसान नहीं है, और दार्शनिक प्रत्येक विशेषज्ञ द्वारा दूसरे विशेषज्ञ के समक्ष अपने शास्त्र के प्रतिपादन में से सहायता प्रदान कर स्वयं को उपयोगी बना सकता है। अत: अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के बारे में मेरे दूसरे बिंदु के लिए अन्य कारण यह है कि, इसमें अन्तर्दृष्टि, कल्पना और संश्लेषण के साथ साथ विश्लेषणात्मक विशेषज्ञता की भी आवश्यकता होती है। मेरा तीसरा बिंदु यह है कि सैद्धान्तिक तथा अनुप्रयुक्त दर्शन शास्त्र के बीच कोई सुनिश्चित विभाजन रेखा नहीं है - "अनुप्रयुक्त" समस्याओं से "सैद्धान्तिक" प्रश्न उत्पन्न होंगे (उदाहरणार्थ गर्भ निरोध पर प्रतिबंध से नैसर्गिक नियम की अवधारणा की न्यायसंगतता का प्रश्न उत्पन्न होता है), तथा "सैद्धान्तिक" दर्शन शास्त्र के सिद्धान्तों का अनुप्रयोग विशिष्ट समस्याओं (उदाहरणार्थ किसी सिद्धान्त के वैज्ञानिक होने के लिए परीक्षणीयता के मानदंड या प्रयोग मनोविश्लेषणात्मक तथा समाजशास्त्रीय अभिकथनों में किया जा सकता है।) चौथा बिंदु यह है कि दूसरी तरफ भी - जीवन की किसी समस्या के संबंध में अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र तथा सामान्य बुद्धि के अनुप्रयोग के बीच कोई सुनिश्चित विभाजन नहीं है ("प्रत्येक व्यक्ति का अपना अनुप्रयुक्त दार्शनिक होना") परंतु प्रत्येक व्यक्ति की सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र में रुचि नहीं होती है, और न हीं इसके लिए वह समर्थ होता है; तथा सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र में प्रत्येक वस्तु के व्यापक आपादान नहीं होते हैं (उदाहरणार्थ मुझे संदेह है कि गणित के दर्शनशास्त्र के ऐसे कोई आपादान हैं।) अत: हम अब यह देख सकते हैं कि यह सत्य है कि यद्यपि दर्शनशास्त्र के अपने विशिष्ट सरोकार हैं जो अनिवार्यत: व्यापक रुचि अथवा प्रासंगिकता के नहीं हैं (सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र की), तथापि यह भी सत्य है कि दर्शनशास्त्र "सामान्य जीवन के महत्वपूर्ण प्रश्नों" के लिए प्रासंगिक हो सकता है, और होना भी चाहिए।

(अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र)

Given below are two statements:

Statement I: According to the passage all pure philosophical contemplations necessarily have applications.

Statement II: According to the passage the notion of applied philosophy is premised upon relevance of philosophy to the important questions regarding lived experience.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : अवतरण के अनुसार सभी सैद्धान्तिक चिंतनों के अनिवार्यत: अनुप्रयोग है।

कथन - II : अवतरण के अनुसार अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र का विचार जीवन के अनुभव के संबंध में महत्त्वपूर्ण प्रश्नों के प्रति दर्शनशास्त्र की प्रासंगिकता पर आधारित है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सत्य है , किन्तु कथन II गलत है |
4. कथन I असत्य है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25693] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q98**
2[Option ID=25694]
3[Option ID=25695]
4[Option ID=25696]

Sl. No.99
QBID:3099

Read the following passage and answer the questions that follow:

I would like to defend the notion of applied philosophy, and from the defence there emerge several important points about its nature. One is that it is essentially interdisciplinary, for the problems with which it deals are usually complex practical ones to which more than one kind of expertise is relevant. This means that in these days of necessary specialization, applied philosophy will have to be a cooperative venture if it is to be done properly. Such cooperation between experts is by no means easy, and the philosopher could make himself useful just by helping each expert to interpret his discipline to the others. Thus, there is a further reason for my second point about applied philosophy, that it requires insight, imagination, and synthesis, as well as analytic expertise. The third point is that there is no sharp dividing line between pure and applied philosophy— "applied" problems will raise "pure" questions (e.g. the ban on contraception raises the question of the justifiability of the concept of natural law), and "pure" principles can be applied to particular problems (e.g. a testability criterion for a theory's being scientific can be applied to psychoanalytical and sociological assertions). The fourth point is that there is no sharp division on the other side either—between applied philosophy and the application of common sense to any problem of life ("Every man his own applied philosopher"). But not everyone is interested in, or capable of, pure philosophy; and not everything in pure philosophy has wider implications (e.g. I doubt whether the philosophy of mathematics has any). So, we can now see how it is true that although philosophy has its own specialized concerns which are not necessarily of wider interest or relevance (those of pure philosophy) it is also true that philosophy can, and should, be relevant to "the important questions of everyday life" (applied philosophy).

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मैं अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के अभिप्राय का समर्थन करना चाहूँगा तथा इस समर्थन से इस स्वरूप के बारे में अनेक महत्वपूर्ण बिंदु उभर कर सामने आते हैं। इनमें से एक अनिवार्यत: अन्त: शास्त्रीयता है, क्योंकि इसमें जिन समस्याओं का उल्लेख होता है, वे सामान्यत: जटिल व्यावहारिक समस्याएं होती हैं, जिनके साथ एक से अधिक प्रकार की विशेषज्ञता प्रासंगिक होती है। इसका तात्पर्य यह है कि आवश्यक विशेषज्ञता के इस युग में अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र को यदि समुचित विधि से प्रयुक्त करता है, तो इसे सहयोगात्मक उद्यम होना होगा। विशेषज्ञों के बीच इस प्रकार का सहयोग बिलकुल आसान नहीं है, और दार्शनिक प्रत्येक विशेषज्ञ द्वारा दूसरे विशेषज्ञ के समक्ष अपने शास्त्र के प्रतिपादन में से सहायता प्रदान कर स्वयं को उपयोगी बना सकता है। अत: अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के बारे में मेरे दूसरे बिंदु के लिए अन्य कारण यह है कि, इसमें अन्तर्दृष्टि, कल्पना और संश्लेषण के साथ साथ विश्लेषणात्मक विशेषज्ञता की भी आवश्यकता होती है। मेरा तीसरा बिंदु यह है कि सैद्धान्तिक तथा अनुप्रयुक्त दर्शन शास्त्र के बीच कोई सुनिश्चित विभाजन रेखा नहीं है - "अनुप्रयुक्त" समस्याओं से "सैद्धान्तिक" प्रश्न उत्पन्न होंगे (उदाहरणार्थ गर्भ निरोध पर प्रतिबंध से नैसर्गिक नियम की अवधारणा की न्यायसंगतता का प्रश्न उत्पन्न होता है), तथा "सैद्धान्तिक" दर्शन शास्त्र के सिद्धान्तों का अनुप्रयोग विशिष्ट समस्याओं (उदाहरणार्थ किसी सिद्धान्त के वैज्ञानिक होने के लिए परीक्षणीयता के मानदंड या प्रयोग मनोविश्लेषणात्मक तथा समाजशास्त्रीय अभिकथनों में किया जा सकता है।) चौथा बिंदु यह है कि दूसरी तरफ भी - जीवन की किसी समस्या के संबंध में अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र तथा सामान्य बुद्धि के अनुप्रयोग के बीच कोई सुनिश्चित विभाजन नहीं है ("प्रत्येक व्यक्ति का अपना अनुप्रयुक्त दार्शनिक होना") परंतु प्रत्येक व्यक्ति की सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र में रुचि नहीं होती है, और न हीं इसके लिए वह समर्थ होता है; तथा सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र में प्रत्येक वस्तु के व्यापक आपादान नहीं होते हैं (उदाहरणार्थ मुझे संदेह है कि गणित के दर्शनशास्त्र के ऐसे कोई आपादान हैं।) अत: हम अब यह देख सकते हैं कि यह सत्य है कि यद्यपि दर्शनशास्त्र के अपने विशिष्ट सरोकार हैं जो अनिवार्यत: व्यापक रुचि अथवा प्रासंगिकता के नहीं हैं (सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र की), तथापि यह भी सत्य है कि दर्शनशास्त्र "सामान्य जीवन के महत्वपूर्ण प्रश्नों" के लिए प्रासंगिक हो सकता है, और होना भी चाहिए।

(अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र)

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : Philosopher could make himself useful by helping other experts to interpret their discipline to others.

Reason (R) : In order to be an applied discipline Philosophy must be considered as essentially interdisciplinary.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is true but (R) is false.
4. (A) is false but (R) is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : दार्शनिक प्रत्येक विशेषज्ञ द्वारा दूसरे विशेषज्ञ के समक्ष अपने शास्त्र के प्रतिपाक्ष में उसे सहायता प्रदान कर स्वयं को उपयोगी बना सकता है।

तर्क (R) : दर्शनशास्त्र को अनुप्रयुक्त शास्त्र बनने के लिए अनिवार्यत: अंत:शास्त्रीय के रूप में विचार किया जाना चाहिए।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं हैं।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही हैं।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25697] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q99**
2[Option ID=25698]
3[Option ID=25699]
4[Option ID=25700]

Sl. No.100
QBID:30100

Read the following passage and answer the questions that follow:

I would like to defend the notion of applied philosophy, and from the defence there emerge several important points about its nature. One is that it is essentially interdisciplinary, for the problems with which it deals are usually complex practical ones to which more than one kind of expertise is relevant. This means that in these days of necessary specialization, applied philosophy will have to be a cooperative venture if it is to be done properly. Such cooperation between experts is by no means easy, and the philosopher could make himself useful just by helping each expert to interpret his discipline to the others. Thus, there is a further reason for my second point about applied philosophy, that it requires insight, imagination, and synthesis, as well as analytic expertise. The third point is that there is no sharp dividing line between pure and applied philosophy— "applied" problems will raise "pure" questions (e.g. the ban on contraception raises the question of the justifiability of the concept of natural law), and "pure" principles can be applied to particular problems (e.g. a testability criterion for a theory's being scientific can be applied to psychoanalytical and sociological assertions). The fourth point is that there is no sharp division on the other side either—between applied philosophy and the application of common sense to any problem of life ("Every man his own applied philosopher"). But not everyone is interested in, or capable of, pure philosophy; and not everything in pure philosophy has wider implications (e.g. I doubt whether the philosophy of mathematics has any). So, we can now see how it is true that although philosophy has its own specialized concerns which are not necessarily of wider interest or relevance (those of pure philosophy) it is also true that philosophy can, and should, be relevant to "the important questions of everyday life" (applied philosophy).

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मैं अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के अभिप्राय का समर्थन करना चाहूँगा तथा इस समर्थन से इस स्वरूप के बारे में अनेक महत्वपूर्ण बिंदु उभर कर सामने आते हैं। इनमें से एक अनिवार्यत: अन्त: शास्त्रीयता है, क्योंकि इसमें जिन समस्याओं का उल्लेख होता है, वे सामान्यत: जटिल व्यावहारिक समस्याएं होती हैं, जिनके साथ एक से अधिक प्रकार की विशेषज्ञता प्रासंगिक होती है। इसका तात्पर्य यह है कि आवश्यक विशेषज्ञता के इस युग में अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र को यदि समुचित विधि से प्रयुक्त करता है, तो इसे सहयोगात्मक उद्यम होना होगा। विशेषज्ञों के बीच इस प्रकार का सहयोग बिलकुल आसान नहीं है, और दार्शनिक प्रत्येक विशेषज्ञ द्वारा दूसरे विशेषज्ञ के समक्ष अपने शास्त्र के प्रतिपादन में से सहायता प्रदान कर स्वयं को उपयोगी बना सकता है। अत: अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र के बारे में मेरे दूसरे बिंदु के लिए अन्य कारण यह है कि, इसमें अन्तर्दृष्टि, कल्पना और संश्लेषण के साथ साथ विश्लेषणात्मक विशेषज्ञता की भी आवश्यकता होती है। मेरा तीसरा बिंदु यह है कि सैद्धान्तिक तथा अनुप्रयुक्त दर्शन शास्त्र के बीच कोई सुनिश्चित विभाजन रेखा नहीं है - "अनुप्रयुक्त" समस्याओं से "सैद्धान्तिक" प्रश्न उत्पन्न होंगे (उदाहरणार्थ गर्भ निरोध पर प्रतिबंध से नैसर्गिक नियम की अवधारणा की न्यायसंगतता का प्रश्न उत्पन्न होता है), तथा "सैद्धान्तिक" दर्शन शास्त्र के सिद्धान्तों का अनुप्रयोग विशिष्ट समस्याओं (उदाहरणार्थ किसी सिद्धान्त के वैज्ञानिक होने के लिए परीक्षणीयता के मानदंड या प्रयोग मनोविश्लेषणात्मक तथा समाजशास्त्रीय अभिकथनों में किया जा सकता है।) चौथा बिंदु यह है कि दूसरी तरफ भी - जीवन की किसी समस्या के संबंध में अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र तथा सामान्य बुद्धि के अनुप्रयोग के बीच कोई सुनिश्चित विभाजन नहीं है ("प्रत्येक व्यक्ति का अपना अनुप्रयुक्त दार्शनिक होना") परंतु प्रत्येक व्यक्ति की सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र में रुचि नहीं होती है, और न हीं इसके लिए वह समर्थ होता है; तथा सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र में प्रत्येक वस्तु के व्यापक आपादान नहीं होते हैं (उदाहरणार्थ मुझे संदेह है कि गणित के दर्शनशास्त्र के ऐसे कोई आपादान हैं।) अत: हम अब यह देख सकते हैं कि यह सत्य है कि यद्यपि दर्शनशास्त्र के अपने विशिष्ट सरोकार हैं जो अनिवार्यत: व्यापक रुचि अथवा प्रासंगिकता के नहीं हैं (सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र की), तथापि यह भी सत्य है कि दर्शनशास्त्र "सामान्य जीवन के महत्वपूर्ण प्रश्नों" के लिए प्रासंगिक हो सकता है, और होना भी चाहिए।

(अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र)

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : According to the passage, in a certain sense all of us apply philosophy in our daily lives.

Reason (R) : We apply common sense to problems of life and there is no sharp difference between applied philosophy and application of common sense.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is true but (R) is false.
4. (A) is false but (R) is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : गद्यांश के अनुसार, कतिपय अर्थ में हम सभी अपने दैनिक जीवन में दर्शनशास्त्र का अनुप्रयोग करते हैं।

तर्क (R) : हम जीवन की समस्याओं पर सामान्य बुद्धि का सदप्रयोग करते हैं तथा अनुप्रयुक्त दर्शनशास्त्र और सामान्य बुद्धी के अनुप्रयोग में कोई सुनिश्चित भेद नहीं है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं हैं।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही हैं।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25341] **Question Description : dwbv_pg_phl_eng_2_q100**
2[Option ID=25342]
3[Option ID=25343]
4[Option ID=25344]